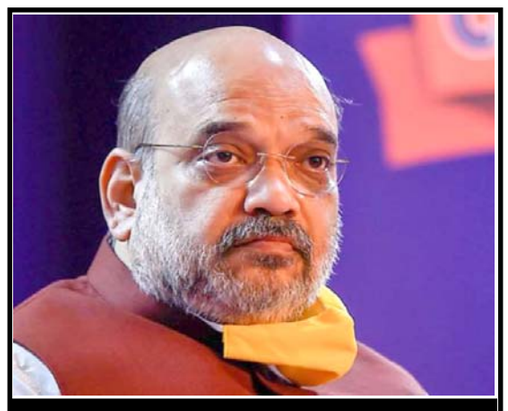

गृह मंत्रालय सख्त, अमित शाह की दो-टूक, ऐसी लापरवाही अस्वीकार्य, तय होगी जवाबदेही

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 26 दिनांक: 06-01-2022 गुरूवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

पंजाब में प्रधानमंत्री की सुरक्षा में भारी चूक 20 मिनट तक फ्लाईओवर पर फंसे रहे पीएम मोदी

महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और दिल्ली में कोरोना के मामलों में भारी उछाल

नई दिल्ली। देश में ओमिक्रोन वैरिएंट के कारण कोरोना के मामले काफी तेजी से बढ़ रहे हैं। कोरोना मामलों में वृद्धि के कारण महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, झारखंड और गुजरात को 'स्टेट्स आफ कंसर्न' घोषित किया गया है। कुल 28 जिलों में साप्ताहिक संक्रमण दर 10 फीसद से ऊपर पहुंच गई है। वहीं 43 जिलों में यह दर 5-10 प्रतिशत है। पिछले आठ दिन में देश में 6.3 गुना तेजी से मामले बढ़े हैं। इस बीच महाराष्ट्र में बुधवार को 26 हजार से ज्यादा, बंगाल में 14 हजार से ज्यादा और दिल्ली में 10 हजार से ज्यादा नए मामले मिले हैं। आइए जानते हैं आज किस राज्य में कितने मामले सामने आए।

महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 26,538 नए मामले सामने आए है। इस दौरान 5,331 लोग डिस्चार्ज हुए और 8 लोगों की मृत्यु हुई है। राज्य में अब तक ओमिक्रोन के मामले 797 है, जिसमें से 330 लोग डिस्चार्ज हो चुके हैं। मुंबई में कोरोना वायरस के 15,166 नए मामले सामने आए हैं, 714 रिकवरी हुईं और कोरोना से 3 की मौत हुई।

बुधवार को मुंबई में कोरोना के 15,166 नए केस दर्ज किए गए हैं, वहीं शहर में पॉजिटिविटी रेट 25 फीसदी पर पहुंच गया है. शहर में 87 फीसदी मामले बिना लक्षण वाले हैं. मुंबई में बीते 24 घंटे में 3 लोगों की मौत हुई है. फिलहाल शहर में एक्टिव केस की संख्या 61,923 हो गई है. मुंबई में पिछले दिन के मुकाबले करीब 5 हजार ज्यादा केस दर्ज किए गए हैं. शहर में मंगलवार को कोरोना वायरस के 10,890 केस सामने आए थे. वहीं बात करें महाराष्ट्र की तो राज्य भर में 26,538 नए केस सामने आए हैं और 8 लोगों की मौत हुई है जबकि 5331 लोग स्वस्थ हुए हैं. महाराष्ट्र में एक्टिव मामलों की संख्या 87505 हो गई है. जबकि राज्य में ओमिक्रॉन के मामले बढ़कर 797 हो गए हैं जिसमें से 330 लोग ठीक हो चुके हैं.

मुंबई और इसके उपनगरों में सार्वजनिक बसों का परिचालन करने वाली बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई (बेस्ट) सेवा के पिछले कुछ दिनों में 66 कर्मी और अधिकारी संक्रमित पाए गए हैं. मुंबई की महापौर किशोरी पेडनेकर ने मंगलवार को कहा था कि अगर यहां कोविड-19 के दैनिक मामले 20,000 का आंकड़ा पार करते हैं तो केंद्र सरकार के नियमों के अनुसार शहर में लॉकडाउन लगाया जाएगा. वहीं कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर मुंबई महानगरपालिका ने मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए रैपिड आरटी-पीसीआर जांच अनिवार्य कर दी है. मनपा के एक अधिकारी ने बताया कि पिछले हफ्ते जारी किए गए दिशा निर्देश सोमवार से लागू हो गए.

दिल्ली सरकार ने सभी छुट्टियां रद्द की

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली में तेजी से बढ़ते कोरोना मामलों के मद्देनजर दिल्ली सरकार के सभी विभागों/दफ्तरों के सभी अधिकारी/कर्मचारी/स्टाफ़ की छुट्टियां (मेडिकल लीव नहीं) रद्द कर दी गई हैं। दिल्ली सरकार ने यह आदेश जारी किया है, इसमें यह भी निर्देश दिया गया है कि अगले आदेश तक मेडिकल लीव को छोड़ कोई और छुट्टी नहीं दी जाएगी और न ही अधिकारियों/कर्मचारियों को दिल्ली से बाहर कहीं और जाने की अनुमति होगी। गौरतलब है कि दिल्ली के कोरोना अस्पतालों में कुल 782 मरीज भर्ती हैं, जिनमें से 69 कोविड सस्पेक्ट (संदिग्ध) हैं। पिछले 24 घंटे में ही कुल 708 कोरोना मरीजों को दिल्ली के अस्पतालों में भर्ती किया गया हैइनके अलावा, बीते 24 घंटे में 5 विदेश से आए यात्रियों का कोरोना टेस्ट किया गया, जिनकी रिपोर्ट पॉजिटिव पाई गई और उन्हें अस्पतालों में भर्ती किया गया।

इन कुल 713 मरीजों में 610 दिल्ली से हैं और 103 दिल्ली से बाहर के हैं। इनमें से 551 मरीजों को ऑक्सीजन या वेंटिलेटर सपोर्ट की जरूरत नहीं पड़ी है, इन सभी को हल्के कोरोना लक्षण हैं, जबकि 140 कोरोना मरीजों को ऑक्सीजन सपोर्ट के साथ एडमिट किया गया है, इन्हें सामान्य कोरोना लक्षण हैं और 22 मरीज गम्भीर स्थिति में वेंटिलेटर पर एडमिट हैं। इस बीच, दिल्ली में तेजी से बढ़ते कोरोना मामलों के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने अपने 9 सरकारी अस्पतालों में कोरोना के लिए आरक्षित बेड्स की संख्या करीब 1000 बढ़ाने के निर्देश दिए।

गृह मंत्रालय सख्त, अमित शाह की दो-टूक, ऐसी लापरवाही अस्वीकार्य, तय होगी जवाबदेही

नई दिल्ली, एजेंसियां। बुधवार को पाकिस्तानी सीमा से महज 30 किलोमीटर दूर पंजाब के फिरोजपुर जिले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सुरक्षा में बड़ी लापरवाही सामने आई। सड़क मार्ग से रैली में शामिल होने जा रहे प्रधानमंत्री के काफिले को प्रदर्शनकारियों ने रोक लिया जिस वजह से करीब 20 मिनट तक पीएम फ्लाईओवर पर फंसे रहे। आखिर आगे का कार्यक्रम रद कर उन्हें दिल्ली लौटना पड़ा। समाचार एजेंसी एएनआइ के मुताबिक बठिंडा एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री ने अफसरों से कहा, 'अपने मुख्यमंत्री चन्नी को धन्यवाद कहना कि मैं जिंदा लौट रहा हूं।' सुरक्षा में हुई लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार से जवाब मांगा है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे बड़ी लापरवाही करार दिया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा- पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक पर विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। प्रधानमंत्री के दौरे में सुरक्षा प्रक्रिया में इस तरह की लापरवाही पूरी तरह से अस्वीकार्य है। इस मामले में जवाबदेही तय की जाएगी... पंजाब में कांग्रेस-निर्मित यह घटना इस बात का ट्रेलर है कि यह पार्टी कैसे सोचती है और काम करती है। लोगों द्वारा बार-बार ठुकराए जाने ने उन्हें पागलपन के रास्ते पर ला खड़ा कर दिया है। पंजाब की सरकार ने जो किया उसके लिए कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पंजाब सरकार से 24 घंटे में जवाब मांगा है। मंत्रालय के मुताबिक राज्य सरकार से विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। गृह मंत्रालय ने अपने बयान में कहा है कि प्रधानमंत्री की पंजाब यात्रा में 'बड़ी सुरक्षा चूक' के बाद उनके काफिले ने लौटने का फैसला किया। हमने पंजाब सरकार से इस चूक की जिम्मेदारी तय करने और सख्त कार्रवाई करने को कहा है।

वहीं बाठिंडा हवाई अड्डे के अधिकारियों ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि बठिंडा हवाई अड्डे पर लौटने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वहां के अधिकारियों से कहा- अपने मुख्यमंत्री को धन्यवाद कहिएगा कि में बठिंडा हवाई अड्डे तक जिंदा लौट पाया...

समाचार एजेंसी एएनआइ के मुताबिक पीएम मोदी बुधवार को सुबह 11 बजे बठिंडा पहुंचे थे जहां से उन्हें हेलिकाप्टर से हुसैनीवाला स्थित राष्ट्रीय शहीद स्मारक जाना था लेकिन बारिश और खराब विजिबिलिटी के चलते प्रधानमंत्री ने करीब 20 मिनट तक मौसम साफ होने का इंतजार किया। मौसम की स्थिति में कोई सुधार नहीं होने पर काफिले ने सड़क मार्ग से स्मारक जाने का निर्णय लिया। गृह मंत्रालय का कहना है कि डीजीपी पंजाब पुलिस द्वारा आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था की पुष्टि किए जाने के बाद पीएम मोदी का काफिला सड़क मार्ग से आगे बढ़ा था। काफिले को बाजाखाना, कोटकपूरा, फरीदकोट से होते हुए फिरोजपुर पहुंचना था। बठिंडा से करीब 92 किमी दूर और फिरोजपुर से आठ किलोमीटर पहले ही प्रधानमंत्री के काफिले को रास्ते में रोक लिया गया। भारत-पाक सीमा से 30 और हुसैनीवाला से बीस किलोमीटर दूर स्थित इस जगह पर कुछ किसान पहले से धरने पर थे और जब उन्हें पता चला कि प्रधानमंत्री का काफिला इसी रास्ते से आ सकता है तो उन्होंने और लोगों को भी बुला लिया। जब तक पीएम का काफिला वहां पहुंचता, करीब सौ लोग इकट्ठा हो गए थे। पुलिस ने उन्हें हटाने को कोशिश की, लेकिन लोग नारेबाजी करते रहे।

जीत से 122 रन पीछे दक्षिण अफीका, भारत को 8 विकेट की दरकार

जोहान्सबर्ग (ईएमएस)। भारत दक्षिण अफ्रीका दुसरे क्रिकेट टेस्ट में तीसरे दिन के खेल खत्म होने तक दक्षिण अफीका ने अपनी दूसरी पारी में 2 विकेट पर 118 रन बनाए हैं। डीन एल्गर 46 और रस्सी वैन डेर डूसन 11 रन बनाकर नाबाद हैं। भारत से दक्षिण अफ्रीका अभी भी 122 रन पीछे है। भारत को जीत के लिए 8 विकेट और लेने हैं। बता दें कि भारत की दूसरी पीर 266 पर आउट हो गई। हनुमा विहारी 40 रन बनाकर नाबाद रहे। अफ्रीकी टीम को जीत के लिए अब 240 रन बनानें होंगे। दक्षिण अफ्रीका की ओर से एनगिडी, रबाडा, मार्को जानेशन ने 3-3 विकेट लिए। ओलिवियर को एक विकेट मिला। दूसरी पारी में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन रहाणे ने बनाए। रहाणे ने 58 रन की पारी खेली। इसके अलावा पुजारा 53 रन बनाकर आउट हुए।

कार्टून कोना

रैली और रोड शो को प्रतिबंधित लगा सकता हैं चुनाव आयोग

नई दिल्ली (ईएमएस)। आगामी चुनावों और कोरोना के खतरे को देखकर चुनाव आयोग, 5 चुनावी राज्यों में प्रचार रैली और रोड शो को प्रतिबंधित कर सकता है।चुनाव आयोग ने कहा कि इन मुद्दों पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। इनके परिणामों पर चर्चा हो रही है।आयोग ने कहा कि कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखकर रैली और रोड शो पर रोक लगाने पर भी मंथन कर रहा है। आयोग ने कोई अब तक अंतिम फैसला नहीं किया है लेकिन कोरोना के बढ़ते मामले को लेकर आयोग गंभीर है।दरअसल चुनाव आयोग, पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव को लेकर कोरोना गाइडलाइन और प्रोटोकॉल पर चर्चा कर रहा है।इसी चर्चा के दौरान रैली पर और रोड शो पर प्रतिबंध लगाने के विकल्प पर भी मंथन चल रहा है।

आयोग मामले पर विचार कर रहा है कि क्या राज्य आपदा प्रबंधन कानून के तहत अधिकारियों को चुनाव के दौरान भीड़ मैंनेजमेंट का अधिकार दिया जाए।इस बीच पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस वाई कुरैशी ने चुनाव आयोग से रैली और रोड शो पर प्रतिबंध लगाने और चुनाव को न टालने की मांग की है।उन्होंने कहा कि रैली और रोड शो पर प्रतिबंध लगने की स्थिति में राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों को परंपरागत तरीके से चुनाव प्रचार करना होगा।इसके अलावा राजनीतिक दलों के बड़े नेता वर्चुअल माध्यम से छोटे-छोटे समूह को संबोधित कर सकते हैं। चुनाव आयोग सभी विकल्पों को देख रहा है।

उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की घोषणा कभी भी संभव, दिन भर चला बैठकों का दौर

नई दिल्ली। चुनाव आयोग में जिस तरह की हलचल है और बैठकों का दौर चल रहा है, उसे देखते हुए उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की घोषणा अब कभी भी हो सकती है। इस बीच सभी पांचों चुनावी राज्यों में मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन हो गया है। हालांकि चुनाव आयोग ने विकल्प दिया है कि यदि किसी वोटर का नाम मतदाता सूची में छूट गया है, तो वह नामांकन की अंतिम तारीख से पहले अपना नाम वोटर लिस्ट में जुड़वा सकता है।

कोरोना संकट को देखते हुए चुनाव आयोग जल्द चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा के पक्ष में है। इससे चुनावी राज्यों में राजनीतिक दलों की ओर से हो रही बड़ी रैलियों और भीड़भाड़ वाले आयोजनों पर तुरंत अंकुश लग सकेगा। यदि चुनाव की घोषणा में कुछ देरी भी होती है, तब भी आयोग कोरोना से जुड़ी गाइडलाइन को सख्ती से लागू कराने और भीड़-भाड़ पर लगाम लगाने का काम कर सकता है। यह इसलिए भी जरूरी है यदि जल्द सख्त न बरती गई तो इन सभी राज्यों में कोरोना का संक्रमण और तेज हो सकता है। वैसे भी सभी चुनावी राज्यों में कोरोना के संक्रमितों की संख्या अचानक से बढ़ गई है। ऐसे में रैलियां और भीड़ भरे आयोजन पर रोक नहीं लगी तो स्थिति गंभीर होगी।

इस बीच चुनाव आयोग में बुधवार को दिन भर बैठकों का दौर चला। वरिष्ठ अधिकारियों की सक्रियता से साफ है कि चुनाव की घोषणा में अब और देरी नहीं होगी। इस बीच चुनाव आयोग ने मणिपुर की चुनाव तैयारियों की भी समीक्षा की। सूत्रों की मानें तो आयोग इस हफ्ते कभी भी चुनावों की घोषणा कर सकता है। वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश सहित इन पांचों राज्यों के विधानसभा चुनाव की घोषणा चार जनवरी को हुई थी।

सुरक्षा के प्रबंध थे, भीड़ न होने से पीएम की रैली रद्द की गई:कांग्रेस

-भाजपा और पीएम अपने किसान विरोधी रुख पर आत्ममंथन करें:सुरजेवाला

-दावा, सड़क मार्ग का उपयोग करना पीएम के तय कार्यक्रम का हिस्सा नहीं था

नई दिल्ली(ईएमएस)। कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि पंजाब में पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम के लिए सुरक्षा के पूरे प्रबंध किए गए थे, लेकिन भीड़ न होने की वजह से उनकी रैली रद्द की गई। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा को आरोप-प्रत्यारोप करने की बजाय भाजपा और प्रधानमंत्री को अपने 'किसान विरोधी रुख' पर आत्ममंथन करना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि सड़क मार्ग का उपयोग करना प्रधानमंत्री के पहले से तय कार्यक्रम का हिस्सा नहीं था। इससे पहले, नड्डा ने पंजाब की कांग्रेस सरकार को आड़े हाथों लिया और आरोप लगाया कि आगामी विधानसभा चुनाव में हार के डर से उसने प्रधानमंत्री के कार्यक्रमों को विफल करने के लिए हरसंभव कोशिश की।

गौरतलब है कि विरोध प्रदर्शनों के कारण प्रधानमंत्री पंजाब में 15 से 20 मिनट तक एक फ्लाइओवर पर फंसे रहे। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसे प्रधानमंत्री की सुरक्षा में गंभीर खामी माना है और राज्य सरकार से इस मामले में रिपोर्ट तलब की है। सुरजेवाला ने ट्वीट किया, प्रिय नड्डा जी, आपा मत खोइए। कृपया याद रखिए कि प्रधानमंत्री की रैली में 10,000 सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे, एसपीजी एवं दूसरी एजेंसियों के साथ समन्वय करते हुए सुरक्षा के पूरे प्रबंध किए गए थे, हरियाणा, राजस्थान से आने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं की सभी बसों के लिए भी रूट बनाया गया था। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने हुसैनीवाला तक सड़क मार्ग से जाने का फैसला किया। वास्तव में सड़क मार्ग से जाना उनके तय कार्यक्रम का हिस्सा नहीं था। किसान मजदूर संघर्ष समिति प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर विरोध कर रही थी और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उनके साथ दो दौर की बातचीत भी की थी। सुरजेवाला ने कहा, क्या आप (नड्डा) जानते हैं कि किसान प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ प्रदर्शन क्यों कर रहे हैं? उनकी मांग है कि गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा को बर्खास्त किया जाए, किसानों के खिलाफ दर्ज मामले वापस लिये जाएं, आंदोलन में जान गंवाने वाले 700 किसानों के परिवारों को मुआवजा दिया जाए और न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर जल्द फैसला हो। उन्होंने दावा किया, किसान आंदोलन के बाद मोदी सरकार इन वादों को भूल गई। प्रधानमंत्री की रैली रद्द करने का कारण यह था कि वहां उन्हें सुनने के लिए भीड़ नहीं आई, कुर्सियां खाली थीं। पंजाब के लोगों ने रैली से दूरी बनाकर अहंकारी सत्ता को आईना दिखा दिया है। कांग्रेस नेता ने कहा, आरोप लगाना बंद करिये और भाजपा के किसान विरोधी रुख पर आत्ममंथन करिये। रैली करिये, लेकिन किसानों को सुनिये।

खराब मौसम और विरोध के कारण पीएमओ से यात्रा रद्द करने के लिए कहा था - चरणजीत सिंह चन्नी

चंडीगढ़ (ईएमएस)। पंजाब दौर पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में हुई चूक मामले पर मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि हमने पीएमओ से खराब मौसम और विरोध के कारण यात्रा रद्द करने के लिए कहा था। हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अचानक मार्ग परिवर्तन की कोई सूचना नहीं थी। पीएम के दौरे के दौरान सुरक्षा में कोई चूक नहीं हुई। प्रधानमंत्री के काफिले को उस जगह से पहले ही रोक दिया गया था जहां प्रदर्शनकारी बैठे थे।

सीएम ने कहा, ठप्रदर्शनकारियों को उठाने में कम से कम 10-20 मिनट लगते। पीएम को इसके बारे में सूचित किया गया था और एक अलग रूट से जाने का भी आग्रह किया था, लेकिन उन्होंने वापस लौटने का फैसला किया। अगर पीएम मोदी के दौरे के दौरान सुरक्षा में कोई चूक हुई है तो हम जांच कराएंगे। प्रधानमंत्री को कोई खतरा नहीं था। मुझे आज बठिंडा में पीएम की अगवानी करनी थी, लेकिन जिन लोगों को मेरे साथ जाना था, वे कोरोना पॉजिटिव पाए गए। इसलिए, मैं आज पीएम को रिसीव करने नहीं गया, क्योंकि मैं कोविड पॉजिटिव हुए कुछ लोगों के संपर्क में था।ठ

उन्होंने कहा, ठकिसान पिछले एक साल से शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे हैं। मैं किसानों पर लाठीचार्ज नहीं कर सकता। हमने पूरी रात किसानों से बात की, जिसके बाद उन्होंने अपना आंदोलन समाप्त कर दिया था, लेकिन आज अचानक फिरोजपुर जिले में कुछ आंदोलनकारी एकत्र हो गए।ठ वहीं उन्होंने स्पष्ट किया कि सुरक्षा चूक से जुड़ी आज की घटना के बाद किसी भी अधिकारी को निलंबित नहीं किया जाएगा।

कोरोना की तीसरी लहर के रुप में भारत के लिए अगले दो सप्ताह बेहद निर्णायक

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोरोना की तीसरी लहर के मद्देनजर भारत के लिए अगला दो सप्ताह बेहद निर्णायक होने वाला है। क्योंकि भारत में भी ओमिक्रॉन के मामले तेजी से बढ़े है।अभी तक 2000 से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं।स्थिति से निपटने के लिए एक्सपर्ट ने कहा है, कि अगला दो सप्ताह भारत के लिए बेहत चुनौतीपूर्ण साबित होने वाला है। ओमिक्रॉन के खतरों के मद्देनजर विश्व स्वास्थ्य संगठन की प्रमुख वैज्ञानिक सौम्या स्वामीनाथन ने कहा है, कि ओमिक्रॉन को आम सर्दी मानने की भूल नहीं करनी चाहिए। यह बहुत तेजी से लोगों को संक्रमित कर रहा। इससे स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा सकती है।

गौरतलब है कि ओमिक्रॉन के मामले खतरनाक तरह से पूरी दुनिया को अपने चपेट में ले रहे हैं।अभी तक 128 देशों में ओमिक्रॉन के मामले की पुष्टि हो चुकी है।भारत में 2000 से ज्यादा ओमिक्रॉन के मामले सामने आ चुके हैं। देश में कोरोना के 54 हजार से ज्यादा नए मामले सामने आए हैं। नए मामलों के कारण स्थिति विस्फोटक होती जा रही है। दिल्ली में बुधवार को 10 हजार नए मामले आने की आशंका है।विषाणु वैज्ञानिक ने कहा है कि जिस तरह से संक्रमण की रफ्तार बढ़ रही है उसमें जनवरी के आखिरी सप्ताह में और फरवरी के पहले सप्ताह में संक्रमण पीक पर होने की आशंका है।हालांकि उन्होंने बताया है, कि भारत डेल्टा वेरिएंट की तुलना में पहले से ज्यादा सतर्क है। डेल्टा वेरिएंट के आक्रमण के समय भारत में स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी हैं, हजारों लोगों की ऑक्सीजन के अभाव में मौत हो गई थी।

ओमिक्रॉन के कारण देश में सबसे ज्यादा दिल्ली और महाराष्ट्र प्रभावित है। संभावित खतरों के मद्देनजर डॉक्टरों ने लोगों से मास्क लगाकर घर से निकलने की सलाह दी है। डॉक्टरों का कहना है कि ओमिक्रॉन जंगल में आग की तरह फैल रहा है।दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि जीनोम सीक्वेंस की रिपोर्ट के आधार पर 84 प्रतिशत सैंपल में ओमिक्रॉन मिला है।एक्सपर्ट ने सुझाव दिया है कि सिर्फ कपड़े का मास्क पहनने से काम नहीं चलेगा। इसके नीचे डिस्पोजेबल मास्क जरूर लगाएतेजी से फैल रहे ओमिक्रॉन वेरिएंट से बचने का सबसे बेहतर तरीका यही है कि कई लेयर वाले मास्क को पहनें।

चन्नी को थैंक्स कहना कि मैं भटिंडा एयरपोर्ट तक जिंदा लौट पाया सुरक्षा चूक पर भड़के PM मोदी

भटिंडा (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पंजाब दौरे पर थे। इस दौरान उनकी सुरक्षा में भारी चूक हुई। पीएम मोदी खराब मौसम के कारण सड़क मार्ग के रास्ते हुसैनीवाला में राष्ट्रीय शहीद स्मारक की तरफ जा रहे थे। इस दौरान लगभग 30 किलोमीटर पहले एक फ्लाईओवर पर प्रदर्शनकारियों ने उनका रास्ता रोक रखा था। 15-20 मिनट के लंबे इंतजार के बाद पीएम का काफिला वापस भटिंडा एयरपोर्ट की तरफ लौट आया। भटिंडा हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि भटिंडा हवाई अड्डे पर लौटने पर पीएम मोदी ने वहां के अधिकारियों से कहा, ठअपने सीएम को धन्यवाद कहना कि मैं भटिंडा हवाई अड्डे तक जिंदा लौट पाया। पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को सड़क मार्ग से जाते समय एक फ्लाईओवर पर 15 से 20 मिनट के लिए उस वक्त फंस गए जब कुछ प्रदर्शनकारियों ने रास्ते को अवरुद्ध कर दिया। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने इस घटना को प्रधानमंत्री की सुरक्षा में ''गंभीर चूक'' करार दिया है। गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पंजाब यात्रा के दौरान गंभीर सुरक्षा खामी के बाद उनके काफिले ने लौटने का फैसला किया। बयान में यह भी कहा गया कि मंत्रालय ने पंजाब सरकार से इस चूक के लिए जवाबदेही तय करने और कड़ी कार्रवाई करने के लिए कहा है। जिस वक्त यह घटना हुई, उस वक्त प्रधानमंत्री बाठिंडा से हुसैनीवाला में राष्ट्रीय शहीद स्मारक की ओर जा रहे थे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम और यात्रा की योजना के बारे में पंजाब सरकार को पहले ही बता दिया गया था। प्रक्रिया के अनुसार उन्हें रसद, सुरक्षा के साथ-साथ आकस्मिक योजना तैयार रखने के लिए आवश्यक व्यवस्था करनी थी। साथ ही आकस्मिक योजना के मद्देनजर पंजाब सरकार को सड़क मार्ग से किसी भी आंदोलन को सुरक्षित करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा तैनात करनी थी, जिसमें स्पष्ट रूप से कमी दिखी।

पंजाब में प्रधानमंत्री की सुरक्षा में भारी चूक 20 मिनट तक फ्लाईओवर पर फंसे रहे पीएम मोदी

भटिंडा (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुबह बठिंडा पहुंचे, जहां से उन्हें हेलिकॉप्टर से हुसैनीवाला स्थित राष्ट्रीय शहीद स्मारक जाना था। बारिश और खराब विजिबिलिटी के चलते पीएम ने करीब 20 मिनट तक मौसम साफ होने का इंतजार किया। जब मौसम में सुधार नहीं हुआ, तो यह तय किया गया कि वह सड़क मार्ग से राष्ट्रीय मेरीटर्स मेमोरियल का दौरा करेंगे, जिसमें 2 घंटे से अधिक समय लगेगा। पंजाब के डीजीपी द्वारा आवश्यक सुरक्षा प्रबंधों की आवश्यक पुष्टि के बाद वह सड़क मार्ग से यात्रा करने के लिए आगे बढ़े। हुसैनीवाला में राष्ट्रीय शहीद स्मारक से लगभग 30 किलोमीटर दूर, जब पीएम का काफिला एक फ्लाईओवर पर पहुंचा, तो वहां कुछ प्रदर्शनकारियों ने सड़क को अवरुद्ध कर दिया था। पीएम 15-20 मिनट फ्लाईओवर पर फंसे रहे। यह पीएम की सुरक्षा में एक बड़ी चूक थी। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम और यात्रा की योजना के बारे में पंजाब सरकार को पहले ही बता दिया गया था। प्रक्रिया के अनुसार उन्हें रसद, सुरक्षा के साथ-साथ आकस्मिक योजना तैयार रखने के लिए आवश्यक व्यवस्था करनी थी। साथ ही आकस्मिक योजना के मद्देनजर पंजाब सरकार को सड़क मार्ग से किसी भी आंदोलन को सुरक्षित करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा तैनात करनी थी, जिसमें स्पष्ट रूप से कमी दिखी। बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फिरोजपुर में होने वाली चुनावी रैली को भी रद्द करनी पड़ गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने इसकी जानकारी दी। चुनावी प्रचार के अलावा पीएम मोदी प्रदेश की जनता को 42,750 करोड़ रुपए की कई विकास परियोजनाओं की सौगात भी देने वाले थे। इनमें दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेस वे, फिरोजपुर में पीजीआई सैटेलाइट सेंटर और कपूरथला-होशियारपुर में दो नए मेडिकल कॉलेज शामिल थे।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम और यात्रा की योजना के बारे में पंजाब सरकार को पहले ही जानकारी दे दी गयी थी। प्रक्रिया के अनुसार, उन्हें लॉजिस्टिक्स व सुरक्षा के साथ-साथ आकस्मिक योजना को तैयार रखते हुए इस सम्बन्ध में आवश्यक व्यवस्था करनी होती है। आकस्मिक योजना को ध्यान में रखते हुए, पंजाब सरकार को सड़क मार्ग से किसी भी यात्रा को सुरक्षित रखने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा तैनात करनी चाहिए थी, जिनकी स्पष्ट रूप से तैनाती नहीं की गयी थी। इस सुरक्षा चूक के बाद, बठिंडा हवाई अड्डे पर वापस लौटने का निर्णय लिया गया। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने इस गंभीर सुरक्षा चूक का संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। राज्य सरकार को इस चूक की जिम्मेदारी तय करने और सख्त कार्रवाई करने के लिए भी कहा गया है।

बिहार में दोनों उप मुख्यमंत्री कोरोना संक्रमित, नीतिश ने स्थगित की समाज सुधार यात्रा

पटना (ईएमएस)। बिहार में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। नीतीश सरकार ने तेजी से बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर पाबंदियां लागू की हैं। इस बीच राज्य के दोनों उप मुख्यमंत्री सीएम तारकिशोर प्रसाद और रेणु देवी कोरोना संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा उत्पाद मंत्री सुनील कुमार, अशोक चौधरी और विजय चौधरी भी कोरोना संक्रमित हुए है। कोरोना की स्थिति को देखकर सीएम ने अपनी समाज सुधार यात्रा स्थगित कर दी है। इससे पहले बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी भी कोरोना की चपेट में मिले थे। मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के प्रवक्ता दानिश रिजवान ने इसकी जानकारी दी थी। रिजवान ने बताया था कि मांझी के अलावा उनकी पत्नी शांति देवी, बेटी पुष्पा मांझी, पुत्रवधू दीपा मांझी और निजी सचिव गणेश पंडित भी कोरोना संक्रमित हैं।

देश में कई बड़े नेता भी कोरोना संक्रमित पाए गए

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच नेताओं ने चुनावी रैलियों में हिस्सा लिया, जहां कई लोग सोशल डिस्टेंसिंग और मॉस्क जैसे कोरोना प्रोटोकॉल का जमकर उल्लंघन हुआ।

ऐसे में अब देश में कई बड़े नेता भी कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। पिछले एक हफ्ते में केंद्रीय मंत्री महेन्द्र नाथ पाण्डेय, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो, जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष व लोकसभा सांसद राजीव रंजन उर्फ लल्लन सिंह भी कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं।

अगले पांच सालों में यूपी को पांच लाख करोड़ रुपये सड़क बनाने के लिए देंगे - नितिन गडकरी

लखनऊ (ईएमएस)। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कि कहा है कि अगले पांच सालों में यूपी को पांच लाख करोड़ रुपये सड़क बनाने के लिए देंगे। उन्होंने उत्तर प्रदेश में सात ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस बनाए जाने की घोषणा की है। बुधवार को कानपुर, लखनऊ व प्रयागराज को केंद्र में रखकर 26778 करोड़ रुपये की लागत से 821 किमी राष्ट्रीय राजमार्गों का लोकार्पण, शिलान्यास व निर्माण कार्य का शुभारंभ करने पहुंचे नितिन गडकरी ने कहा अभी तो यह सिर्फ ट्रेलर है, पूरी फिल्म बाकी है। यूपी का रोड इंफ्रास्ट्रक्चर अमेरिका के बाराबर होगा। ऐसा करने के लिए यहां डबल इंजन (मोदी-योगी) की सरकार जरूरी है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार यूपी के सर्वांगीण विकास के लिए कटिबद्ध है।

लखनऊ में अमौसी मेट्रो के निकट आयोजित लोकार्पण व शिलान्यास समारोह में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री ने कहा कि यूपी में सात नए ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे बनाए जा रहे हैं। उन्होंने यूपी में बॉयो फ्यूल उत्पादन की दिशा में किए जा रहे सफल प्रयासों की तारीफ करते हुए कहा कि अब देश में दोपहिया-चारपहिया वाहन उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा बनाए गए बायो इथेनॉल से चलेंगे। इ

जन हितैषी

उम्मीदों भरा 2022

साल-2021 खत्म हुआ और अब नया साल 2022 का आगाज दुनिया ने पूरे उत्साह के साथ किया है। बीता साल भारत ने कोरोना की खतरनाक दूसरी लहर का सामना किया जिसमें हजारों लोगों की असमय मौत हो गई। हालांकि, इसी साल उम्मीदों का टीका भी आया। 2021 हमें कुछ बुरी यादें भी देकर गया है। आने वाला नया साल नई उम्मीदों भरा होगा। भले ही साल की शुरुआत कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट से हो रही है लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन ने उम्मीद जताई है कि 2022 महामारी को पीछे छोड़ सकता है। कोरोना महामारी से लेकर राजनीति, खेल, टेक जगत नए साल में क्या उम्मीदें लेकर आ सकता है। इस साल की सबसे बड़ी उम्मीद बच्चों की वैक्सीन को लेकर है। भारत में 3 जनवरी से 15 से 18 साल के बच्चों का वैक्सीनेशन शुरू हो चुका है। भारत बायोटेक की कोवैक्सीन ट्रायल में दो से 18 साल के बच्चों पर असरदार साबित हुई है। इस साल और भी छोटे बच्चों का वैक्सीनेशन शुरू होने की उम्मीद है। सीरम इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया ने भी कहा है उसकी कोवोवैक्स अगले 6 महीने में आ जाएगी। यह वैक्सीन 3 साल से ऊपर के बच्चों को दी जाएगी। इसके अलावा नए साल में कोरोना महामारी खत्म हो सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की चीफ साइंटिस्ट सौम्या स्वामीनाथन का कहना है कि नए साल में वैक्सीन कवरेज बढ़ेगी और महामारी नियंत्रण में आ जाएगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि महामारी आम सर्दी-जुकाम का रूप ले सकती है जिसे आसानी से संभाला जा सकता है। साल की शुरुआत में ही भारत में नेजल वैक्सीन आने की उम्मीद भी है। पीएम मोदी ने देश के नाम संबोधन में नेजल वैक्सीन लाने की बात कही थी। ये वैक्सीन भारत बायोटेक और वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन मिलकर बना रहे हैं। ये वैक्सीन नाक के जरिए दी जाएगी। शेयर मार्केट इस साल लंबी छलांग लगा सकता है। इस साल निफ्टी 21 हजार का रिकॉर्ड बना सकता है। साल की शुरुआत भले ही ओमिक्रॉन के साये में हो रही है, लेकिन ये शॉर्ट टर्म रिस्क फैक्टर है। ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल को निफ्टी से नए साल में 12 से 15 फीसदी तक रिटर्न की उम्मीद है। अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है। कई हाई फ्रीक्वेंसी इंडिकेटर कोविड से पहले के स्तर को पार कर गए हैं। कंपनियों की कमाई सितंबर 2021 तिमाही के बाद उम्मीद से बेहतर है। अगले दो महीने में एलआईसी समेत 45 कंपनियों के आईपीओ बाजार में आ सकते हैं। सेबी के पास पिछले 3 महीने में 40 से ज्यादा कंपनियों ने आईपीओ के कागजात जमा कराए हैं। इनमें ओला, बायजूस, ओयो जैसे फेमस स्टार्टअप भी शामिल हैं। भारत में 5जी सर्विस का इंजतार 2022 में खत्म हो सकता है। इसे पहले 13 शहरों में लॉन्च किया जाएगा। उसके बाद बाकी शहरों में शुरू किया जाएगा। टेलीकॉम डिपार्टमेंट की ओर से बताया गया है कि 2022 में अहमदाबाद, बेंगलुरु, चंडीगढ़, चेन्नई, दिल्ली, गांधीनगर, गुरुग्राम, हैदराबाद, जामनगर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई और पुणे में 5जी इंटरनेट शुरू हो जाएगा। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति के सदस्य जयंत आर वर्मा ने अर्थव्यवस्था में तेजी आने की उम्मीद जताई है। उन्होंने कहा कि 2022-23 में अच्छी बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। आर्थिक गतिविधियां प्री-कोविड लेवल पर आ गई हैं और बाकी के वित्त वर्ष में और सुधार होगा। हालांकि, महंगाई कम होने की उम्मीद नहीं है। अर्थशास्त्री अनीथा रंगन कहती हैं कि थोक महंगाई अधिक बनी हुई है, इसलिए मार्च-अप्रैल में खुदरा महंगाई दर 6फीसदी के दायरे को पार कर जाएगी। ये स्थिति पूरे साल रह सकती है। इससे कीमतें बढ़ेंगी और आम लोगों की जेब पर बोझ बढ़ेगा। साल 2021 में सोने की कीमत में 4 फीसदी की गिरावट आई, लेकिन नया साल शानदार साबित हो सकता है।

वैंकय्या का साहस अनुकरणीय

पिछले हफ्ते जब कुछ हिंदू साधुओं ने घोर आपत्तिजनक भाषण दिए थे, तब मैंने लिखा था कि वे सरकार और हिंदुत्व, दोनों को कलंकित करने का काम कर रहे हैं। हमारे शीर्ष नेताओं और हिंदुत्ववादी संगठनों को उनकी कड़ी भर्त्सना करनी चाहिए। मुझे प्रसन्नता है कि हमारे उप-राष्ट्रपति वैंकय्या नायडू ने हिम्मत दिखाई और देश के नाम सही संदेश दिया। वे केरल में एक ईसाई संत एलियास चावरा के 150 वीं पुण्य-तिथि समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी धर्म या संप्रदाय के खिलाफ घृणा फैलाना भारतीय संस्कृति, परंपरा और संविधान के विरुद्ध है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने-अपने धर्म के पालन की पूरी छूट है। उन्होंने बहुत संयत भाषा में उन तथाकथित साधु-संतों की बात को रद्द किया है, जिन्होंने गांधी-हत्या को सही ठहराया था और मुसलमानों के कत्ले-आम की बातें कही थीं। उन्होंने गांधीजी के लिए अत्यंत गंदे शब्दों का प्रयोग भी किया था। अपने आप को हिंदुत्व का पुरोधा कहनेवाले कुछ सिरफिरे युवकों ने गिरजाघरों पर हमले भी किए थे और ईसा मसीह की मूर्तियों को भी डहा दिया था।

इस तरह के उत्पाती लोग भारत में बहुत कम है लेकिन उनके कुकर्मों से दुनिया में भारत की बहुत बदनामी होती है। भारत की तुलना पाकिस्तान और अफगानिस्तान- जैसे देशों से की जाने लगती है। यह ठीक है कि भारत के ज्यादातर लोग ऐसे कुकर्मों से सहमत नहीं होते हैं लेकिन यह भी जरुरी है कि वे इनकी भर्त्सना करें। ऐसे कुत्सित मामलों को भाजपा और कांग्रेस की क्यारियों में बांटना सर्वथा अनुचित है। देश के सभी राजनीतिक दलों को चाहिए कि वे ऐसे राष्ट्रविरोधी और विषैले बयानों के खिलाफ अपनी दो-टूक राय जाहिर करें। यह संतोष का विषय है कि उन कुछ तथाकथित संतों के विरुद्ध पुलिस ने प्रारंभिक कार्रवाई शुरु कर दी है लेकिन वह कोरा दिखावा नहीं रह जाना चाहिए। ऐसे जहरीले बयानों के फलस्वरुप ही खून की नदियां बहने लगती हैं।

यह राष्ट्रतोड़क प्रवृत्ति सिर्फ कानून के जरिए समाप्त नहीं हो सकती। इसके लिए जरुरी है कि सभी मजहबी लोग अपने-अपने बच्चों में बचपन से ही उदारता और तर्कशीलता के संस्कार पनपाएं। यदि हमारे नागरिकों में तर्कशीलता विकसित हो जाए तो वे धर्म के नाम पर चल रहे पाखंड और पशुता को छुएंगे भी नहीं। कार्ल मार्क्स ने कहा था कि मजहब जनता की अफीम है। यदि लोग तर्कशील होंगे तो वे इस अफीम के नशे से बचने की भी पूरी कोशिश करेंगे।

यदि लोग तर्कशील होने के साथ उदार भी होंगे तो वे अपने धर्म या धर्मग्रंथ या धर्मप्रधान की आलोचना से विचलित और क्रुद्ध भी नहीं होंगे। भारत में शास्त्रार्थों की अत्यंत प्राचीन और लंबी परंपरा रही है। गौतम बुद्ध, शंकराचार्य और महर्षि दयानंद की असहमतियों में कहीं भी किसी के प्रति भी दुर्भावना या हिंसा लेश-मात्र भी दिखाई नहीं पड़ती। (लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक / ईएमएस)

दैनिक पंचांग

06 जनवरी 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

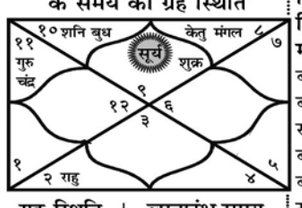

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	07.20 बजे से
चंद्र	कुंभ में	कुंभ	09.07 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मीन	10.39 बजे से
बुध	मकर में	मेष	12.10 बजे से
गुरु	कुंभ में	वृष	13.50 बजे से
शुक्र	धनु में	मिथुन	15.48 बजे से
शनि	मकर में	कर्क	18.02 बजे से
राहु	वृष में	सिंह	20.18 बजे से
केतु	वृश्चिक में	कन्या	22.30 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		तुला	00.40 बजे से
		वृश्चिक	02.55 ब.से
		धनु	05.11 बजे से

गुरुवार 2022 वर्ष का छठा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1943 **मास** पौष **पक्ष** शुक्ल **तिथि** चतुर्थी 12.30 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 07.11 बजे तदनन्तर शतभिषा 06.21 बजे को समाप्त। **योग** सिद्धि(असृक) 15.24 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 12.30 बजे तदनन्तर बव 23.44 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 3.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 22° 31' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1871120 **जूलियन दिन** 2459585.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 02 **विशेष** विनायक चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

सरकार का 'रिमोट' किसके पास....!

क्या संघ अपना अस्तित्व खो चुका है....?

भारतीय राजनीति के गलियारों में इन दिनों एक ज्वलंत सवाल गूंज रहा है कि मौजूदा समय में केन्द्र व राज्यों की भाजपा सरकारों का 'रिमोट कन्ट्रोल' किस के हाथों में है? अतीत की तरह संघ के हाथों में या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों में? क्या संघ का सरकार व भाजपा पर अभी भी वही रूतबा कायम है, जो अतीत में भाजपा सरकारों के समय रहा या संघ भी आज किसी को दया का पात्र बनकर रह गया है? यद्यपि संघ प्रमुख ने 'रिमोट' सम्बंधी बयानों का जमकर विरोध कर यह बताने की कोशिश की है कि केन्द्र सहित राज्यों की भाजपा सरकारों पर संघ का ही नियंत्रण है, किंतु राज्य सरकारों व उनके मुख्यमंत्रियों की प्रतिबद्धता व समर्पण भावना से ऐसा कतई प्रतीत नहीं होता।

जहाँ तक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वर्चस्व का सवाल है, अतीत से यह भाजपा सरकारों का नियंत्रण रहा है, संघ के नियंता बाला साहेब देवरस से लेकर आज तक संघ का अपना महत्व व अस्तित्व रहा है, संघ ने जहां एकाधिक बार अपनी पसंद का प्रधानमंत्री बनाया, वहीं लाल कृष्ण आड़वानी व अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेताओं को विश्व नेता बनाया। कई बार संघ ने 1991 में सोमनाथ से अयोध्या तक रथयात्रा आयोजित करने वाले लाल कृष्णज्ञ आडवानी जी को सरकार के सर्वोच्च पद पर बैठाने का प्रयास भी किया संघ अटल जी के मुकाबले अडवानी जी को अधिक अहमियत देता था और जब अटल जी ने जब एक बार यह कहा कि- ''आई एम टायर्ड, बट नॉट रिटायर्ड'' (मैं थका हूँ पर राजनीति से निवृत्तमान नहीं हूँ।) तब संघ ने तय कर लिया था कि वह आडवानी को प्रधानमंत्री पद सौंपेगा, किंतु अडवानी द्वारा करांची जाकर मोहम्मद अली जिन्ना की मजार पर मत्था टेकना और उनकी तारीफ करना संघ को रास नहीं आया और इसी कारण आडवानी जी प्रधानमंत्री नहीं बन पाए, इस घटना के बाद संघ की आडवानी जी के प्रति नाराजी बढ़ती गई और उनका राजनीतिक भविष्य गर्त में चला गया।

यह सब इतिहास याद कराने का मेरा एकमात्र मकसद यही है कि भाजपा के बहुमत में होने पर संघ ही सरकार का नियंता होता था और पार्टी का हर छोटा-बड़ा नेता संघ का मुरीद होता था और जो संघ से दूर रहा उसका राजनीतिक भविष्य भी धुमिल रहा, जिनमें यशवंत सिन्हा, शत्रुघ्न सिन्हा या स्व. जसवंत सिंह अग्रणी नेता रहे, यद्यपि ये सभी केन्द्र में मंत्री अवश्य रहे, किंतु संघ ने हमेशा इन्हें 'सौतेला' ही माना और दोयम दर्जा दिया संघ का इस मामले में कड़ा रूख रहा है।

इस प्रकार कुल मिलाकर यदि यह कहा जाये कि मौजूदा हालातों में वर्तमान केन्द्र सरकार का 'रिमोट' संघ के हाथों में नहीं है तो कतई गलत नहीं होगा, क्योंकि संघ की भूमिका आज 'संरक्षक' की नहीं महज एक 'सलाहकार' की ही हो गई है, आजकल संघ की भी लगभग वहीं स्थिति है जो अन्य हिन्दू संगठनों- विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल या दुर्गा वाहिकी है, न तो कभी संघ से किसी मसले पर राय या सहमति ली जाती है और उसे बड़ी योजना-परियोजना पर सोच का हिस्सा ही बनाया जाता है, अब ऐसे में 'रिमोट कन्ट्रोल' के मसले पर संघ प्रमुख का इन खबरों का खंडन करना भी लाजमी था और उन्होंने मीडिया के इन तर्कों का इसीलिए खंडन भी किया।

शायद इसी रवैये से खिन्न होकर संघ प्रमुख इन दिनों विवादित बयान जारी कर रहे है, कभी वे हिन्दू और हिन्दु राष्ट्र की पैरवी करते नजर आते है तो कभी भारत-पाक विभाजन को अब पचहत्तर साल बाद निरस्त करने की वकालत करते दिखाई देते है कभी हमारी विदेश नीति या रक्षा नीति पर कटाक्ष करते नजर आते है तो कभी धर्म परिवर्तन कर दूसरे धर्मों को अंगीकार करने वालों को पुन: हिन्दू धर्म में लौटाने की बात करते है, इन्हीं वाचाली बयानों के कारण बई बार संघ प्रमुख को खण्डन या अपनी बात स्पष्ट करने के लिय मजबूर भी होना पड़ा है।

कुल मिलाकर सम्पूर्ण मौजूदा तथ्यों को ध्यान में रखकर यदि यह कहा जाए कि देश 'एकात्मवाद' की ओर बढ़ रहा है तो कतई गलत नहीं होगा। (लेखक- ओमप्रकाश मेहता / ईएमएस)

हमें चाहिए सारे जगत् से प्रेम करने वाले मानवतावादी

विश्व नागरिक तैयार करने होंगे!

सिटी मोन्टेसरी स्कूल, लखनऊ

(1) हम तो निमित्त मात्र हैं:-

अक्सर यह देखने में आता है कि जब हम किसी की मदद करते हैं तो हमारे अंदर एक अभिमान सा आ जाता है कि हमने उसकी मदद की है। लेकिन ऐसा है नहीं। हम तो निमित्त मात्र हैं। वास्तव में ईश्वर की हमारे ऊपर यह विशेष कृपा है कि उसने हमें इस लायक बनाया है कि हम किसी की तन, मन और धन से मदद कर पाते हैं। इसलिए हमें ईश्वर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उस व्यक्ति के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त करनी चाहिए, जिसने हमारी इस सेवा को स्वीकार किया हो।

(2) जो व्यक्ति जितना ज्यादा परोपकारी होता है वो उतना ही अधिक ईश्वर के समीप पहुंचता है:-

किसी ने सही ही कहा है कि मानवता से बढ़कर कोई भी धर्म नहीं है। रामायण में तुलसीदास जी कहते हैं - परहित सरिस धर्म नहीं भाई, पर पीड़ा सम नहिं अधमाई।। अर्थात् परोपकार से बढ़कर कोई उत्तम कर्म नहीं है और दूसरों को कष्ट देने से बढ़कर कोई पाप नहीं। परोपकार की भावना ही वास्तव में मनुष्य को 'मनुष्य' बनाती है। वास्तव में परोपकारी व्यक्ति सदा प्रसन्न रहता है और परोपकार के अवसर ढूढ़ता रहता है। वह दूसरे की मदद करके प्रसन्न भी होता है और उसे आत्म संतुष्टि भी मिलती है। वास्तव में जो व्यक्ति जितना ज्यादा परोपकारी होता है वो उतना ही अधिक ईश्वर के समीप पहुंचता है।

(3) परोपकार की भावना मनुष्य को महानता की ओर ले जाती है:-

परोपकार की भावना मनुष्य को महानता की ओर ले जाती है। परोपकार से बड़ा कोई पुण्य/धर्म नहीं है। कबीर दास जी कहते हैं ''बड़ा हुआ तो क्या हुआ जैसे पेड़ खजूर। पंछी को छाया नहीं फल लागे अति दूर।। अर्थात् खजूर के पेड़ के समान बड़ा होने का क्या लाभ, जो ना ठीक से किसी पंछी को छाँव दे सकता है और ना ही उसके फल आसानी से कोई पा सकता है। कविवर रहीम कहते हैं कि ''तरूवर फल नहिं खात है, सरवर पियहि न पान। कहि रहीम पर काज हित, संपति संचहि सुजान।। अर्थात् जिस तरह पेड़ कभी स्वयं अपने फल नहीं खाते और तालाब कभी अपना पानी नहीं पीते उसी तरह सज्जन लोग दूसरे के हित के लिये संपत्ति का संचय करते हैं।

(4) प्रकृति भी हमें यही संदेश देती है कि परोपकार ही सबसे बड़ा धर्म है:-

वास्तव में परमात्मा ने हमें जो शक्तियां व सामथ्र्य दिया है वे दूसरों का कल्याण करने के लिए है। प्रकृति भी हमें यही संदेश देती है कि परोपकार ही सबसे बड़ा धर्म है। युगों-युगों से सूर्य बिना किसी स्वार्थ के पृथ्वी को जीवन देने के लिए प्रकाश देता है। चंद्रमा अपनी किरणों से सबको शीतलता प्रदान करता है, वायु अपनी प्राण-वायु से संसार के प्रत्येक जीव को जीवन प्रदान करती है। वहीं बादल सभी को जल रूप में अमृत प्रदान करते हैं।

(5) जीव मात्र की सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा है:-

सच तो यह है कि स्वयं की उन्नति का, समाज की उन्नति का, विश्व कल्याण का परोपकार ही एक मात्र उपाय है। ईश्वर ने हमें कोई भी वस्तु स्वयं के उपभोग के लिए नहीं दी है, बल्कि इसलिए दी है कि इससे कितने ज्यादा लोगों का भला हो सकता है। परोपकारी मनुष्य ही सच्ची शांति को प्राप्त कर सकता है, स्थायी उन्नति कर सकता है, ईश्वर को प्राप्त कर सकता है और विश्व का कल्याण कर सकता है।

(6) सब जीवों के साथ मित्रता और दयालुता का व्यवहार करें:-

गीता में श्रीकृष्ण कहते है- ''हे अर्जुन! मैं उन भक्तों को प्यार करता हूँ जो कभी किसी से द्वेष-भाव नहीं रखते, सब जीवों के साथ मित्रता और दयालुता का व्यवहार करते हैं। वे कहते हैं ''ममता रहित, अहंकार-शून्य, दु:ख और सुख में एक-सा रहने वाला, सब जीवों के अपराधों को क्षमा करने वाला, सदैव संतुष्ट, मेरा ध्यान करने वाला, विरागी दृढ़ निश्चयी और जिसने अपना मन तथा बुद्धि मुझे समर्पित कर दी है, ऐसे भक्त मुझे अतिशय प्रिय हैं।'' इस प्रकार दुनिया में मानवता से बढ़क़र कुछ नहीं है।

(7) विश्व के प्रत्येक प्राणी से प्रेम करना ही ईश्वर का सच्चा प्रेम है:-

रामचरित मानस में वर्णित है कि ''परहित बस जिन्ह के मन माहीं। तिन्ह कहुँ जग दुर्लभ कछु नाहीं।'' अर्थात् जिनके मन में सदैव दूसरे का हित करने की अभिलाषा रहती है अथवा जो सदा दूसरों की सहायता करने में लगे रहते हैं, उनके लिए सम्पूर्ण जगत् में कुछ भी दुर्लभ नहीं है। इस तरह विश्व के हित व कल्याण की निष्काम कामना व उसके लिए काम करना ही विश्व-प्रेम है। वास्तव में विश्व के प्रत्येक प्राणी से प्रेम करना ही ईश्वर का सच्चा प्रेम है।

(8) विद्यालयों में बच्चों को सम्पूर्ण मानवता का पाठ पढ़ाया जाना चाहिए:-

यदि विद्यालयों में सम्पूर्ण मानवता की सेवा का पाठ नहीं पढ़ाया गया तो बालक बड़ा होकर जाति-धर्म की भेदभाव भरी दृष्टि लेकर विकसित होगा। ऐसा व्यक्ति परिवार, समाज तथा विश्व को जोड़ने का नहीं वरन् तोड़ने में अपनी सारी ऊर्जा व्यर्थ करेंगा। विद्यालय द्वारा बालक को सिखाया जाना चाहिए कि यह विश्व मेरा घर तथा इसके समस्त नागरिक मेरे परिवार के सदस्य हैं। इसके साथ ही बालक को संसार को परायी दृष्टि से नहीं वरन् कुटुम्ब की तरह सेवा भाव से देखना सिखाया जाना चाहिए ताकि बड़े होकर वे पीड़ित मानवता के कष्टों को दूर करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर सके।

(9) हमें सारे जगत् से प्रेम करने वाले विश्व नागरिक तैयार करने होंगे:-

इसलिए परिवार, स्कूल और समाज, तीनों को मिलकर विश्व के प्रत्येक बच्चे के मन-मस्तिष्क में बचपन से ही इस बात का बीजारोपण करना चाहिए कि ईश्वर एक है, धर्म एक है तथा मानवता एक है। उसी ईश्वर ने इस सारी सृष्टि को बनाया है और वह सारे जगत् से बिना किसी भेदभाव के प्रेम करता है। ऐसे ही हम सभी को भी सारे जगत् से प्रेम करने के साथ ही मानवतावादी विश्व नागरिक भी तैयार करने होंगे और तभी सारे विश्व में स्थायी शांति एवं एकता की स्थापना भी होगी। (लेखक-डा. जगदीश गाँधी / ईएमएस)

आज का इतिहास 6 जनवरी

1810 तुर्की के साथ एक संधि के बाद रूस ने क्रीमिया और कुबल पर कब्जा किया.

1913 तुर्की और बाल्कन देशों के बीच लंदन शांति सम्मेलन को निलंबित कर दिया गया.

1947 अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने भारत का विभाजन स्वीकार किया, जिसमें 99 मत प्रस्ताव के पक्ष में तथा 52 मत विपक्ष में पड़े.

1963 राष्ट्रसंघ के राजनयिक राल्फ जे बंच कटांगा प्रांत का अलगांव समाप्त करने के लिए कांगो गए.

1972 अमरीकी नौ सैनिक बेड़े ने हिंद महासागर में नियमित अभ्यास शुरू किया.

1981 राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान हिंद महासागर के तल को बटोरने में सफल रहा.

1988 अधिकृत गाजा पट्टी और पश्चिमी किनारे में इसरायली सैनिकों ने हिंसा पर उतारू प्रदर्शनकारियों को बल प्रयोग से काबू किया.

1990 पोलैंड में कम्युनिस्ट नेताओं ने पार्टी को भंग करने के पक्ष में मतदान किया.

1992 जार्जिया के साथ विद्रोहियों के घेरे से निकलने में सफल हुए.

1993 बैले और जाज के महारथियों रूडोल्फ नुरेयेव तथा डिजी गिर्लस्वी का निधन.

1998 उत्तर प्रदेश में हरदोई के पास बरेली वाराणसी पैसेन्जर गाड़ी से काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस के टकरा जाने से 70 लोगों की मृत्यु.

2000 बीमा नियमन तथा विकास प्राधिकरण विधेयक 1999 को राष्ट्रपति की मंजूरी.

2002 भारत ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ सीमा पर पाक का टोही विमान मार गिराया.

2004 भारत-पाक के बीच ठोस मुद्दों पर बातचीत हेतु समझौता.

2005 अंबानी बंधु बंटवारे के लिए राजी हुए.

(व्यंग्य) ''मैं कोरोना बोल रहा हूँ''

हैलो...उधर से कांपती-हांपती सी आवाज़ सुनकर ओमीक्रोन ने चिंतित होते हुए पूछा।

ठहां हैलो...कौन बोल रहे हो भाई।'?

उधर से फिर आवाज़ आई ठभाई तुमने भाई बोला मुझे...आहा भाई मैं तो गदगद हो गया हूँ भाई सच्ची में..॥

ओमीक्रोन ने उस कांपती-हांफती सी आवाज़ को सुनकर पुन: गुस्से से तिलमिलाते हुए कहा।

ठअरे बोली में तो तुम्हारी जान ना हैं और कह रहे हो गदगद हो गए हो? ऐं.. आखिर हो कौन तुम और मुझे ये इतना चूना क्यों लगा रे हो?'

उधर थोड़ी खामोशी सी छा गयी,तभी फिर से वही कांपती-हांफती सी आवाज़ सुनाई दी..

ठअरे भाई मैं कोरोना बोल रहा हूँ...ठ

अब उस मरियल सी आवाज़ में मानों थोड़ी जान फूंक दी हो किसी ने ,मैंने सोचा एक बार पूछ ही लूँ इस दो साल से इतना गदर मचाने वाले को क्या हो गया अब..? मैंने उसकी चुटकी लेते हुए कहा

ठअरे ! कोरोना भाई क्या हाल बना रखा है तुम तो दो साल से बड़ा गदर मचाये रहे पूरे देश में? अब यो आवाज़ में इतनी नरमी और मरयाया सा पन क्यों आ गया? कहकर मैं जोर से हंस पड़ा ।

बस फेर क्या था उधर की आवाज़ तो और भी नरम पड़गी ..

ठ सुन भाई ओमीक्रोन। कान खोलके सुन ले इन भारत के वासियों ने भाई वैक्सीन क्या लगवाई मेरी तो कैंची सी ही काट के धर दी...अब तो बस आखिर सांस बची हैं वो भी ये मुँह पे मास्क और हाथों कू धोते रह्वे ,सेनेटाइज करते रह्वे वरना तो भाई मैंने बड़े मजे लिए तड़पा तड़पा मारा सबकू दिके पकड़ में ना आया सारी दुनिया के इंसानों को घर मे बन्द कर दिया,जानवरो से भी बदतर बना दिया था,भाई..भाई सुन तुमने मुझे भाई कहा तो भाई का फरज भी निभाना पड़ेगा...ठ

मैंने आश्चर्य से पूछा..

ठफरज ?..कैसा फरज भाई यो तो वोही काम हो गया अक ठमुंह लगाई डुमनी अर गाव आलपतालठ तुझे भाई क्या कह दिया तू तो सिर पे ही चढ़ गयाठ

ठअरे भाई मेरी बात तो सुन ले पहल ?ठ

कोरोना मरी सी आवाज़ में बोला।

मैनें भी सोचा ला भाई सुन ही लूँ इसकी बात क्या पता कुछ मेरे ही काम की हो..

ठहां भाई कोरोना बता क्या करना है ?, जा तू भी क्या याद करेगा..किस दिलदार से पल्ला पड़ाठ।

उधर से कोरोना थोड़ा फुसफुसाया..

ठभाई दिसम्बर जा ही लिया अब मेरे तो रस्ते बन्द कर दिए लोगों ने वैक्सीन लगवाकर ,अर बस तू अब अपना गदर मचा दे...प्लीज ओमीक्रोन मेरे भाई,देख तूने मुझे भाई कहा तो मैं अब बूढ़ा हो गया और थका हुआ भी हूँ बस अब तू जा अर जनवरी,फरवरी और मार्च ये मेरे थे भाई जो वैक्सिनेशन कराके मुझसे छीन लिए इन इंसानों ने ठ कोरोना कहके रो पड़ा।

उसकी बात सुनके मैंने सोचा हां, यार जहां देखो कोरोना की ही दहशत होरी थी और तो और इतनी पावर थी इसकी कि सारी दुनिया को घर मे बन्द कर दिया।

जीते जी तो क्या मरे हुयो की शक्ल तक को भी तरसा दिया..वाह भाई झंडे गाड़ दिए थे तूने तो कोरोना...मैं सोचने लगा अब कोरोना तो पड़ गया कमजोर और यही मौका है दुनिया में अपने नाम का डंका बजवाने का।

पर दूसरी बात यो भी तो कि ये भारत वाले जाने कहाँ से इतना दिमाग लारे थोड़े दिन बन्द हों घर में और फिर बाहर आजा ऐसे ऐसे टीके और खुराक बनावें अक कोरोना जैसे ज़ालिम को भी मात दे दी।

चलो भाई कोरोना तूने बहुत नाम कमाया अब तू देख यो तेरा ओमोक्रोन भी कितना गदर और दहशत मचाता है दुनिया में....

ठखुद को सम्भालो दुनिया वालो 2022 में मैं आ गया यानि बीमारियों का डॉन ओमीक्रोन॥

(लेखिका- सविता वर्मा 'ग़ज़ल' / ईएमएस)

शब्द पहेली - 7159

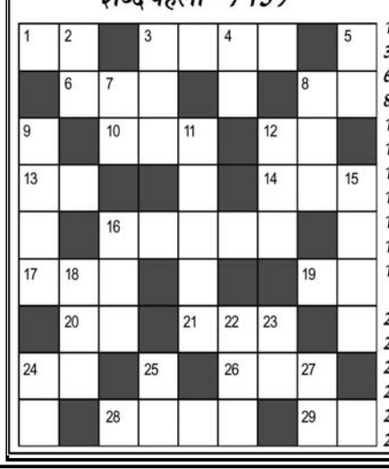

बाएँ से दाएँ

1.पेड़,दरख्त-2
3.प्रार्थना,पूजना-4
6.आदर्श,पैमाना-3
8.त्वचा,चमड़ी,खाल-2
10.सड़ने की प्रक्रिया,गलन-3
12.देव,देवता-2
13.चलने का ढंग-2
14.प्रशंसा,गुणगान-3
16.आरामदायक-5
17.कक्ष,रूम-3
19.हिंदू कलैंडर का एक महीना, भाद्रवा-2
20.500 कागजों की गड्डी-2
21.कबाड़,खराब वस्तु-3
24.मजा,मस्ती-2
26.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
28.शोरगुल,-4
29.तह,परत-2

ऊपर से नीचे

2.माफी-2
3.झूठी शान,घमंड-3
4.गर्दन से नीचे का शरीर,देह-2
5.अपराध,गुनाह-2
7.रग,नाड़ी-2
8.सूत कातने का यंत्र-3
9.एकाएक-4
11.शीश झुकाए हुए-5
12.भोर,प्रात:-3
15.ननद का पति-4
16.विश्राम,राहत-3
18.रोगी,बीमार-3
22.उच्चतम-3
23.गरबा,नृत्य-2
24.मृत्यु-2
25.रास्ता,मार्ग-2
27.आनंदित,मौजी-2

शब्द पहेली -7158 का हल

प्र	का	श		छ		आ	म
हा		र	स	म	ला	ई	जो
र	म	ण		छ		ना	ह	क
	न			म			क
अ	प	रा	ध		न	ह	ला	ना
	सं			ज			ह
क	द	म		न		ब	ट	र
ब्र		द	शा	व	ता	र		ई
	फो	न		र		खा	लि	स

■Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल-समाचार

जीत के जश्न में एक साथ उछलते हुए नजर आये बांग्लादेशी खिलाड़ी

माउंट माउंगानुई (ईएमएस)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड में मिली अपनी पहली जीत का शानदार जश्न मनाया है। बांग्लादेश टीम ने इसका एक वीडियो भी जारी किया है। इस वीडियो में सभी खिलाड़ी और कोचिंग स्टाफ के सदस्य एक दूसरे के कंधों पर हाथ रखे हुए खड़े नजर आ रहे हैं। इस दौरान टीम के 34 वर्षीय अनुभवी खिलाड़ी मुशफिकुर रहीम के संबोधित करने के बाद सभी खिलाड़ी एक साथ उछलते हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में रहीम को यह कहते सुना जा सकता है कि हमने ऐतिहासिक जीत दर्ज की तो फिर इसका पूरा आनंद भी उठाना चाहिए। इसके बाद सभी खिलाड़ी खुशी के मारे उछलने लगते हैं। बांग्लादेश क्रिकेट टीम की इस सबसे बड़ी जीत में गेंदबाज इबादत हुसैन की अहम भूमिका रही हैं। इबादत ने ही सबसे ज्यादा विकेट लेकर न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को बेबस कर दिया था। अपने देश से बाहर टेस्ट क्रिकेट में बांग्लादेश की यह छठी जीत है और शीर्ष पांच रैंकिंग वाली टीमों में से किसी के खिलाफ पहली जीत है। इससे वह विश्व टेस्ट रैंकिंग में भी शीर्ष दस में शामिल हो गयी है।

श्रीलंकाई बोर्ड के फिटनेस मॉडल से नाराज क्रिकेट भानुका ने संन्यास लिया

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंकाई बल्लेबाज भानुका राजपक्षे ने क्रिकेट बोर्ड के फिटनेस मॉडल पर नाराजगी व्यक्त करते हुए खेल से ही संन्यास ले लिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार भानुका ने अपने संन्यास का पत्र भी बोर्ड को सौंप दिया है हालांकि अभी तक इस पर बोर्ड ने इसपर कोई फैसला नहीं किया है। कहा जा रहा है कि भानुका श्रीलंका क्रिकेट में लागू किए गए नए फिटनेस मॉडल से सहमत नहीं थे। उनका कहना है बोर्ड ने फिटनेस के जो नए पैमाने तय किए हैं, उसके कारण वो आगे नहीं खेल पाएंगे। भानुका ने श्रीलंका के

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद , सेंसेक्स फिर 60,000 से पार पहुंचा

मुम्बई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार में बुधवार को भी तेजी रही। इस साल की शुरुआत से जो तेजी है वह तीसरे कारोबारी दिन भी बनी रही। बाजार में यह उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही भारी खरीददारी के कारण आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 367.22 अंकों की तेजी के साथ ही 60,223.15 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 120 अंकों की बढ़त के साथ ही 17,925.25 पर बंद हुआ जबकि बैंक निफ्टी में आज भारी तेजी देखी गयी और यह 855.75 अंक बढ़कर 37,695.90 पर बंद हुआ। पिछले 4 सत्र के अंदर ही निफ्टी में 720 अंकों का उछाल आया है और यह 2300 अंक बढ़ा है।

आज कारोबार के दौरान आईटी, मीडिया और फार्मा को छोड़कर सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। निफ्टी के आईटी इंडेक्स में मुनाफा वसूली के चलते करीब 2 फीसदी की गिरावट आई। वहीं, निफ्टी फार्मा भी 0.3 फीसदी नीचे बंद हुआ है। इनके अलावा निफ्टी ऑटो 1.05 फीसदी, मेटल इंडेक्स 1.4 फीसदी तेजी के साथ बंद हुआ है।बैंकिंग शेयरों में एक बार फिर खरीदारी आती दिखी है जिसके कारण बैंक निफ्टी आज 2.32 फीसदी की बढ़त के साथ 37,695.90 के स्तर पर बंद हुआ है।

भारत में उपग्रह ब्रॉडबेंड सेवा देने ह्यूजेस और एयरटेल ने की साझेदारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भार में उपग्रह ब्रॉडबेंड सेवा प्रदान करने के ?लिए ह्यूजेस नेटवर्क सिस्टम्स की अनुषंगी ह्यूजेज कम्युनिकेशंस इंडिया और भारती एयरटेल ने संयुक्त उपक्रम की बुधवार को घोषणा की। एक बयान के मुताबिक इस उपक्रम (एचसीआईपीएल) के माध्यम से दोनों कंपनियों के वीसैट कारोबार को साथ लाया जाएगा और उपग्रह कनेक्टिवटी के जरिए प्राथमिक परिवहन, बैकअप और हाइब्रिड क्रियान्वयन संबंधी उद्यम नेटवर्किंग समाधान की पेशकश की जाएगी। एचसीआईपीएल के प्रेसिडेंट एवं प्रबंध निदेशक पार्थो बनर्जी ने कहा ?कि इस साझेदारी में ह्यूजेस और एयरटेल की क्षमताओं के मेल का लाभ भारत के ग्राहकों को मिलेगा। इस समझौते की घोषणा मई 2019 में की गई थी। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) और टेलीकॉम विभाग की मंजूरी मिलने के बाद संयुक्त उपक्रम का गठन किया गया।

सोने, चांदी में उछाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में तेजी आई है। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना 154 रुपये की बढ़त के साथ 46,969 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 46,815 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था जबकि चांदी भी 352 रुपये की बढ़त के साथ ही 60,725 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 60,373 रुपये प्रति किलोग्राम पर थी। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव लाभ के साथ ही 1,816 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि चांदी 22.92 डॉलर प्रति औंस पर लगभग बनी रही।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक को रिजर्व बैंक से मिला शेडयूल्ड बैंक का दर्जा

नई दिल्ली (अमेरिका)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एयरटेल पेमेंट्स बैंक को शेडयूल्ड बैंक के रूप में वर्गीकृत कर दिया है। देश के अग्रणी पेमेंट्स बैंकों में से एक एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने यह जानकारी दी है। इससे पहले पेटीएम पेमेंट्स बैंक को भी यह दर्जा मिल चुका है। शेडयूल्ड बैंक का दर्जा मिलने के बाद एयरटेल पेमेंट्स बैंक सरकार द्वारा रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल यानी आरएफपी और प्राथमिक नीलामियों में भाग ले सकता है और केंद्र तथा राज्य सरकार दोनों के कारोबार में शामिल हो सकता है।

इसके अलावा वह सरकार द्वारा ऑपरेटेड कल्याण योजनाओं में भाग ले सकता है। अब वह सरकार की तरफ से चलाई जाने वाली फाइनेंशियल इनक्लूजन योजनाओं में पार्टनरशिप के लिए योग्य हो गया है। एयरटेल पेमेंट्स बैंक देश का सबसे तेजी से बढ़ता डिजिटल बैंक है। इसके यूजर्स की संख्या 11.5 करोड़ है। बैंक सितंबर, 2021 की तिमाही में मुनाफे की स्थिति में आ गया था। एयरटेल पेमेंट्स बैंक के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर अनुव्रत बिस्वास ने कहा कि हम शेडयूल्ड बैंक का दर्जा देने के लिए रिजर्व बैंक के आभारी हैं।

हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लि। यानी पीपीबीएल को शेडयूल पेमेंट्स बैंक का दर्जा दे दिया था। यह फैसला आरबीआई एक्ट, 1934 के तहत किया गया है। आरबीआई ने सितंबर में ही यह फैसला ले लिया था और फिर अक्टूबर में इसकी अधिसूचना जारी की गई थी। पेटीएम पेमेंट्स बैंक की तरफ से 9 दिसंबर, 2021 को इस बात की घोषणा की गई। केंद्रीय बैंक के इस फैसले के बाद पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस के शेयरों में करीब 6 फीसदी की तेजी आई थी।

देश को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने 8 प्रतिशत वृद्धि जरूरीः रजनीश कुमार

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय स्टेट बैंक के पूर्व चेयरमैन रजनीश कुमार ने कहा? ?कि देश को 2025 तक 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए आर्थिक वृद्धि दर को बढ़ाकर 8 प्रतिशत से अधिक करने की जरूरत है। उन्होंने उद्योग मंडल आईएमसी चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम में कहा ?कि अगर भारत को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है, तो हम 5-6 प्रतिशत वृद्धि से खुश नहीं हो सकते। हमें आठ प्रतिशत से अधिक वृद्धि की जरूरत है। कुमार ने कहा कि आठ प्रतिशत और उससे अधिक की वृद्धि के लिए अर्थव्यवस्था में पैमाने पर निवेश की जरूरत है। साथ ही कर की कम दर की आवश्यकता है ताकि लोगों के साथ कंपनियों के हाथ में पैसा बचे। इसके अलावा निचले स्तर पर कारोबार सुगमता बढ़ाने तथा जमीन उपलब्धता आसान करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा ?कि हमें विनिर्माण, कृषि और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश की जरूरत है। हम सभी पूंजी के लिए पूरी तरह से सरकार पर निर्भर नहीं हो सकते। सरकार ने कंपनी कर की दरों को युक्तिसंगत बनाया है और इस बारे में किसी को कोई शिकायत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में सुधारों के बावजूद जीडीपी निवेश अनुपात नहीं सुधरा है। केंद्र सरकार के स्तर पर कड़े निर्णय और ठोस सुधारों को आगे बढ़ाने की इच्छा है लेकिन जब इसके क्रियान्वयन की बात आती है, नौकरशाही की वजह से मसले उत्पन्न होते हैं। हालांकि कारोबार सुगमता के मामले में देश की रैंकिंग सुधरी है लेकिन जिला स्तर पर नई इकाई लगाने को लेकर मंजूरी हासिल करने में अब भी समस्या है।

दिसंबर में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री में 11 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। वाहन डीलरों के संगठन फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने बुधवार को कहा कि पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष दिसंबर में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री में 11 फीसदी की गिरावट आई है। फाडा ने कहा कि सेमीकंडक्टर की कमी का संकट अब भी बना हुआ है। यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री पिछले महीने 10.91 फीसदी गिरकर 2,44,639 इकाई पर आ गई जो दिसंबर 2020 में 2,74,605 इकाई थी। फाडा के एक अ?धिकारी ने कहा कि दिसंबर के महीने में आमतौर पर अधिक बिक्री होती है क्योंकि विनिर्माता वर्ष बदलने के मद्देनजर वाहनों की बिक्री के लिए काफी छूट देते हैं लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ और खुदरा बिक्री निराशाजनक रही। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर की कमी की समस्या बनी हुई है जिसकी वजह से बड़ी संख्या में बुकिंग के बावजूद बिक्री कम रही। पिछले महीने दो पहिया वाहनों की बिक्री भी कम रही। दिसंबर 2021 में 11,48,732 वाहनों की बिक्री हुई जो दिसंबर 2020 में हुई कुल 14,33,334 वाहनों की बिक्री के मुकाबले 19.86 फीसदी कम है। हालांकि दूसरी ओर व्यावसायिक वाहनों की खुदरा बिक्री में पिछले वर्ष के मुकाबले 13.72 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। पिछले महीने कुल 58,847 वाहन बिके जबकि दिसंबर 2020 में 51,749 वाहन बिके थे। पिछले महीने विभिन्न प्रकार के कुल 15,58,756 वाहनों की खुदरा बिक्री हुई जो दिसंबर 2020 में बिके 18,56,869 वाहनों के मुकाबले 16.05 फीसदी कम है।

स्थानीय मंडियों में फिर बढ़ने लगे प्याज और टमाटर के दाम

नई दिल्ली (ईएमएस)। स्थानीय मंडियों में प्याज और टमाटर की कीमत में फिर से इजाफा देखने को ?मिल रहा है। वहीं आलू की कीमतों में भारी गिरावट हुई है। कई हरी सब्जियों की कीमतों में कमी आने से लोगों ने राहत की सांस ली है। आजादपुर मंडी के आढ़तियों का कहना है कि थोक में प्याज और टमाटर की कीमतों में कोई इजाफा नहीं है। हरी सब्जियों की आवक बढ़ने से कीमतों में गिरावट हुई है। कई राज्यों से नए आलू की आवक में कई गुना बढ़ोतरी होने से इसके रेट लगातार गिर रहे हैं। थोक में प्याज की कीमत प्रति किलो 10 से 27.50 रुपए तक है। टमाटर की कीमतों में भी कोई इजाफा नहीं है। वहीं स्थानीय मंडियों में टमाटर, प्याज की कीमतों में प्रति किलो 10 रुपए किलो तक का इजाफा देखने को मिल रहा है। आलू की कीमतों में लगातार कमी हो रही है। 15 दिन पहले तक 20 रुपए प्रति किलो तक बिकने वाला आलू अब 10 से 15 रुपए किलो तक बिक रहा है। इसके अलावा मटर, गोभी, बैगन समेत अन्य सब्जियों की कीमतों में कमी आई है। सुल्तानपुरी की सब्जी मंडी के सब्जी ?बिक्रेताओं का कहना है ?कि हमेशा थोक रेट से लोकल मंडियों में कीमतों में फर्क रहता है। इसका मुख्य कारण लोडिंग, अनलोडिंग, किराए के अलावा सब्जियां भी खराब हो जाती है। प्याज और टमाटर कई बार खराब निकल जाते हैं।

बिना पिन और मोबाइल नेटवर्क 200 तक कर पाएंगे ई-पे

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने कहा कि ऑफलाइन ट्राजैक्शन दुकानदार, खरीदार और कार्ड से किया जा सकता है। इसके साथ ही ऐसे ट्राजैक्शन में अतिरिक्त सत्यापन कारक (एएफए) की भी जरूरत नहीं होगी। ऑफलाइन भुगतान के कारण ग्राहकों को एसएमएस अलर्ट बी कुछ देर बाद मिलेगा। अब आप बिना पिन और मोबाइल नेटवर्क के 200 रुपए तक का ई-पे कर पाएंगे। गौरतलब है ?कि भारतीय रिजर्व बैंक ने इंटरनेट या मोबाइल कनेक्टिविटी के बिना 200 रुपए तक के छोटे टिकट भुगतान करने की सुविधा दी है। आप भुगतान कार्ड, वॉलेट, और मोबाइल फोन सहित किसी भी सुरक्षित मिडियम के माध्यम से कर सकते है। आरबीआई ने यह डिजीटल ट्राजेक्शन को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाया है। गावों और कस्बों में भी डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा मिले इसके लिए आरबीआई ने प्रति ट्राजैक्शन 200 रुपए तक का ऑफलाइन भुगतान की इजाजत दी है। इसकी कुल सीमा 2000 रुपए तक होगी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने कहा कि ऑफलाइन ट्राजैक्शन दुकानदार, खरीदार और कार्ड से किया जा सकता है। इसके साथ ही ऐसे ट्राजैक्शन में अतिरिक्त सत्यापन कारक की भी जरूरत नहीं होगी। ऑफलाइन भुगतान के कारण ग्राहकों को एसएमएस अलर्ट बी कुछ देर बाद मिलेगा।

पाकिस्तान में भारी बारिश, बर्फबारी से मिट्टी के 300 मकान तबाह

-10 सेंटीमीटर बारिश से ग्वादर को कराची से जोड़ने वाला तटीय राजमार्ग बहा

-पहाड़ों से पानी आने के कारण ग्वादर हवाई अड्डे के रनवे पर भी पानी भरा

कराची(ईएमएस)। पश्चिमी पाकिस्तान में भारी बारिश और बर्फबारी के कारण मिट्टी के कम से कम 300 मकान क्षतिग्रस्त हो गए और हजारों लोग बेघर भी हो गए हैं। अधिकारियों ने आपात बचाव के लिए सेना को तैनात किया है। खबर के के अनुसार, बलूचिस्तान प्रांत में सोमवार की रात एक चक्रवाती तूफान आया। मकरान संभाग सबसे अधिक प्रभावित हुआ, इसके ग्वादर क्षेत्र में सोमवार और मंगलवार को केवल 20 घंटों में 10 सेंटीमीटर बारिश हुई। ग्वादर को कराची से जोड़ने वाला मकरान तटीय राजमार्ग बह गया। बिजली आपूर्ति मंगलवार सुबह से ठप है और अभी तक बहाल नहीं हो पाई है। इसी तरह, अकरा कौर, स्वद और शादी कुर बांधों के पंपिंग स्टेशन में बाढ़ का पानी घुसने से घरों में पानी की आपूर्ति अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गई। नजदीक स्थित पहाड़ों से पानी आने के कारण ग्वादर हवाई अड्डे के रनवे पर भी पानी भर गया।

मकरान संभाग के आयुक्त शब्बीर मेंगल ने बताया कि हालांकि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन तुरबत, ग्वादर, पसनी, जिवानी और संभाग के अन्य क्षेत्रों में 300 से अधिक, मिट्टी के मकान तबाह हो गए। बारिश के कारण कई लोग बेघर भी हो गए, जिन्हें पाकिस्तानी नौसेना की नौकाओं के जरिए सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। खबर में एक आधिकारिक बयान के हवाले से बताया गया कि पाकिस्तानी सेना, पाकिस्तान नौसेना और फ्रंटियर कोर बचाव अभियान चला रहे हैं और नागरिक प्रशासन को बुनियादी ढांचा स्थापित करने में मदद कर रहे है। अधिकारियों ने बताया कि प्रांत में बेहद कम तापमान के कारण बचाव कार्य और जटिल हो गया है। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग ने सप्ताह के अंत तक और बारिश होने का पूर्वानुमान लगाया है।

गैस की बढ़ती कीमतों से भड़की जनता हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद सरकार ने इस्तीफा दे दिया

अल्माटी (ईएमएस)। कजाखस्तान में गैस की बढ़ती कीमतों से भड़की जनता के हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद सरकार ने इस्तीफा दे दिया है।कजाखस्तान के राष्ट्रपति कासम झोमार्ट ने प्रधानमंत्री अस्कार मामिन के इस्तीफे को स्वीकार कर लिया है। इस बीच राष्ट्रपति की ओर से देश के सबसे बड़े शहर अल्माटी और पश्चिमी में दो सप्ताह के लिए आपातकाल की घोषणा कर दी गई है।आपातकाल के तहत रात के 11 बजे से सुबह के 7 बजे तक के लिए कर्फ्यू लगाकर वाहनों के आवागमन को प्रतिबंधित कर दिया गया है।यही नहीं लोगों के बड़े पैमाने पर इकट्ठा होने पर भी बैन लगाया है।राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार और सेना पर हमले के लिए आह्वान करना पूरी तरह से अवैध है। सरकार नहीं गिरेगी लेकिन हम चाहते हैं कि आपसी विश्वास हो और संवाद न कि विवाद।

राष्ट्रपति यह बयान दे रहे थे,इनदिनों अल्माटी में पुलिस प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले और सुन्न करने वाले ग्रेनेड दाग रही थी। पुलिस की कोशिश थी कि हजारों की तादाद में मौजूद प्रदर्शनकारी मेयर के कार्यालय में न घुस पाएं। तेल से समृद्ध इस देश में सरकार ने मंगलवार देर शाम को ऐलान किया कि वह एलपीजी की कीमतों को बहाल कर रही है। इससे पहले नए साल पर अपनी तरह के दुर्लभ प्रदर्शन में प्रदर्शनकारी एलपीजी की कीमतों में वृद्धि के बाद प्रदर्शन करते हुए अल्माटी शहर पहुंच गए थे। इन प्रदर्शनों के बाद सरकार ने इस्तीफा दे दिया है और राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 70 के तहत इस इस्तीफे को स्वीकार कर लिया है।

सूडान में तख्तापलट के विरोध में खार्तूम और अन्य शहरों में सड़कों पर उतरे लोग

काहिरा (ईएमएस)। सूडान में इस सप्ताह की शुरुआत में प्रधानमंत्री के इस्तीफे के बाद देश में मची उथल-पुथल के बीच राजधानी खार्तूम और अन्य शहरों में लोग तख्तापलट के विरोध में सड़कों पर उतर आए हैं। सुरक्षा बलों ने राष्ट्रपति भवन के आसपास के क्षेत्र सहित राजधानी में कई स्थानों पर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े।

राष्ट्रपति भवन के आसपास 25 अक्टूबर को तख्तापलट के बाद से विरोध प्रदर्शनों के दौरान कई बार झड़प हुई हैं। वीडियो में प्रदर्शनकारियों को सुरक्षा बलों पर पथराव करते और आंसू गैस के गोले दागते भी देखा गया। हताहतों की तत्काल कोई सूचना नहीं है। तख्तापलट के बाद अब्दुल्ला हमदोक को प्रधानमंत्री के पद से हटा दिया गया था, लेकिन सेना के साथ एक समझौते के तहत केवल एक महीने बाद उन्हें पद पर बहाल कर दिया गया था, जिसका उद्देश्य तनाव और तख्तापलट विरोधी प्रदर्शनों को शांत करना था। हमदोक ने राजनीतिक गतिरोध के बीच यह कहकर पद छोड़ दिया कि वह सत्ताधारी सैन्य अधिकारियों और लोकतंत्र समर्थक आंदोलन के बीच समझौता करने में विफल रहे हैं।

तख्तापलट के बाद से सूडान राजनीतिक रूप से पंगु हो गया है। लंबे समय से देश के निरंकुश शासक रहे उमर अल-बशीर और उनकी इस्लामी सरकार के खिलाफ आंदोलन के बाद उन्हें अप्रैल 2019 में सत्ता से हटाया गया था, जिसके करीब दो साल बाद सेना ने तख्तापलट किया। अंतरराष्ट्रीय दबाव में सेना ने एक तकनीकी कैबिनेट का नेतृत्व करने के लिए नवंबर में हमदोक को बहाल किया, लेकिन इस समझौते ने अल-बशीर के खिलाफ विद्रोह के पीछे लोकतंत्र समर्थक आंदोलन को दरकिनार कर दिया। तब से हमदोक तख्तापलट और सेना के साथ हुए समझौते के खिलाफ लगातार विरोध के बीच मंत्रिमंडल का गठन करने में असमर्थ रहे।

तख्तापलट की निंदा करते हुए खार्तूम और ओमडुरमान में मंगलवार को हजारों लोगों ने मार्च में हिस्सा लिया। ऑनलाइन पोस्ट की गई तस्वीरों में युवा प्रदर्शनकारी गाते, ढोल बजाते और सूडानी झंडा लहराते दिखे। पूर्वी शहर पोर्ट सूडान और दारफुर क्षेत्र सहित अन्य शहरों में भी इसी तरह के प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों के अनुसार, प्रदर्शन के मद्देनजर अधिकारियों ने खार्तूम और ओमडुरमान में प्रमुख सड़कों और मार्गों को बंद कर दिया।

बेहतर प्रशिक्षण और युद्ध को जीत में तब्दील करने वाली तकनीक के विकास पर जोर दे पीएलए : शी जिनपिंग

पेइचिंग (ईएमएस)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने युद्धों जीतने में सक्षम एक विशिष्ट बल बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए सशस्त्र बलों के बेहतर प्रशिक्षण और युद्ध को जीत में तब्दील करने वाली तकनीक के विकास पर जोर दिया है। 68 वर्षीय शी जिनपिंग 2012 से सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) की अगुवाई कर रहे हैं। वह केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के अध्यक्ष भी हैं। उनके कार्यकाल में शुरु किया गया सैन्य सुधार का अभियान आज भी जारी है।

उन्होंने जब से पद संभाला है तब से ही सेना में सुधारों और प्रौद्योगिकी उन्नयन के साथ उच्च स्तरीय सैन्य प्रशिक्षण को प्राथमिकता दी है। शी जिनपिंग इस साल के मध्य में आयोजित होने वाली केंद्रीय सैन्य आयोग की कांग्रेस के बाद रिकॉर्ड तीसरे कार्यकाल को भी शुरू कर सकते हैं। यह कांग्रेस पांच साल में एक बार होती है। शी 2018 से हर साल सैनिकों के जुटने को कहते रहे हैं और सेना के लिए अभियान संबंधी प्राथमिकताएं तय करते रहे हैं।

चीन की सेना का वार्षिक 200 अरब डॉलर का रक्षा बजट है।

शी ने सेना के लिए इस साल के आदेश में कहा कि सशस्त्र बलों को प्रौद्योगिकी, युद्धक तकनीकों के साथ ही प्रतिद्वंद्वियों पर करीब से नजर रखनी चाहिए, अपने प्रयास दोहरे करते हुए प्रशिक्षण और लड़ाकू अभियानों के साथ तालमेल करना चाहिए। उन्होंने कहा सेना को क्रमबद्ध प्रशिक्षण को मजबूत किया जाना चाहिए तथा एक विशिष्ट बल के विकास के लिए ऐसी प्रौद्योगिकी का विकास करना चाहिए जो युद्ध को निर्णायक रूप से जीत में तब्दील करने में सक्षम हो।

चीन नए साल की शुरुआत हिंद महासागर और अफ्रीका में अपनी पहुंच को बढ़ाने के साथ कर रहा है। भारत भी अफ्रीकी क्षेत्र में अपनी जड़ें मजबूत करना चाहता है। चीनी विदेश मंत्री वांग यी की इस सप्ताह के आखिर में पश्चिमी हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से स्थित कोमोरोस की यात्रा के जवाब में एक भारतीय नौसैनिक जहाज भी उसी वक्त कोमोरोस में डॉक होगा। चीनी विदेश मंत्रालय ने पिछले हफ्ते घोषणा की थी कि वांग 4 से 7 जनवरी तक केन्या, इरिट्रिया और कोमोरोस का दौरा करेंगे और फिर मालदीव और श्रीलंका की भी यात्रा करेंगे।

भारत के पड़ोसी देशों में चीनी विदेश मंत्री की यात्रा पर भारतीय अधिकारी नजर बनाए हुए हैं। इसमें सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र मेडागास्कर के उत्तर पश्चिम में छोटा सा द्वीप कोमोरोस हैं जहां भारत अपनी मौजूदगी बढ़ाने के लगातार प्रयास कर रहा है। ऐसे में किसी बाहरी इलाके में दो पड़ोसियों के बीच प्रभाव की होड़ काफी दिलचस्प होगी। वहीं पूर्वी लद्दाख के पैंगोंग झील पर पुल बना रहा चीनी ड्रैगन पूरे अक्साई चिन इलाके में भारत के खिलाफ अपनी किलेबंदी को चौतरफा मजबूत कर रहा है। चीन ने भारत के अक्साई चिन इलाके पर जबरन कब्जा कर रखा है और अब वहां पर सड़कों और पुलों का जाल बिछा रहा है। सैटलाइट तस्वीरों से मिली ताजा तस्वीरों से खुलासा हुआ है कि चीन ने लद्दाख के गलवान घाटी में खूनी झड़प के बाद साल 2020-21 के बीच में अपने निर्माण कार्य तेज कर दिया है।

नए साल पर उत्तर कोरिया ने जापान सागर में दागी मिसाइल

- दक्षिण कोरिया ने भी अपने पूर्वी तट पर परीक्षण की पुष्टि की

प्योंगयांग (ईएमएस)। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने नए साल पर एक बार फिर से किलर मिसाइल का परीक्षण करके कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव को भड़का दिया है। उत्तर कोरिया ने जापान सागर में इस किलर मिसाइल का परीक्षण किया है। जापान और दक्षिण कोरिया दोनों ने ही इस मिसाइल परीक्षण की पुष्टि की है। जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ऐसा लगता है कि यह एक बलिस्टिक मिसाइल थी। दक्षिण कोरिया ने भी अपने पूर्वी तट पर परीक्षण की पुष्टि की है लेकिन उसने यह नहीं बताया कि यह मिसाइल थी या कुछ और। इससे पहले अक्टूबर महीने में उत्तर कोरिया ने आखिरी बार अपना मिसाइल परीक्षण किया था। उत्तर कोरिया ने अपनी सबमरीन से दागे जाने वाली मिसाइल का परीक्षण किया था। जापान के पीएम फूमिओ किशिदा ने उत्तर कोरिया के ताजा मिसाइल टेस्ट की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि हम यह पता लगा रहे हैं कि मिसाइल कहीं जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र में तो नहीं गिरी। इससे पहले उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने अपने शासन के 10 साल पूरा होने के मौके पर देश को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने परमाणु बम और अमेरिका की तुलना में ट्रैक्टर के कारखानों और स्कूल ड्रेस का अधिक जिक्र किया। ऐसा पहली बार देखा गया है जब किम जोंग ने हथियारों और सेना को मजबूत करने के बजाए देश के विकास से जुड़ी बातें की है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर कोरिया इस समय भुखमरी के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में किम जोंग अपनी जनता को इस मुश्किल वक्त से निकालने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। कोरिया की वर्कर्स पार्टी की 8वीं केंद्रीय समिति की चौथी पूर्ण बैठक को संबोधित करते हुए किम जोंग उन ने कहा था कि 2022 के लिए उत्तर कोरिया का मुख्य लक्ष्य आर्थिक विकास शुरू करना और लोगों के जीवन में सुधार करना होगा। उन्होंने यह भी बताया कि लोग जीवन और मौत के बीच संघर्ष का सामना कर रहे हैं। 2011 में अपने पिता की मृत्यु के बाद से किम जोंग उन उत्तर कोरिया की बागडोर संभाले हुए हैं।

इमरान खान ने फिर मोदी सरकार के खिलाफ उगला जहर

-कश्मीर में जनमत संग्रह की यूएनएससी की प्रतिबद्धता आज भी अधूरी

इस्लामाबाद(ईएमएस)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक बार फिर कश्मीर राग अलापा है। इमरान खान ने कश्मीर में जनमत संग्रह न कराने को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोला। इमरान खान ने कहा कि कश्मीर में संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में जनमत संग्रह की यूएएससी की प्रतिबद्धता आज भी अधूरी है। कश्मीर में धारा 370 हटाने को लेकर भी इमरान ने मोदी सरकार पर हमला बोला।

ट्वीट करके पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपनी भड़ास निकाली। इमरान खान ने लिखा, कश्मीर में संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में जनमत संग्रह की यूएनएससी की प्रतिबद्धता आज भी अधूरी है क्योंकि हिंदुत्ववादी मोदी सरकार ने यूएनएससी के प्रस्तावों, मानवीय कानूनों और 4वें जिनेवा कन्वेंशन सहित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का बेशर्मी से उल्लंघन किया है। और जनसांख्यिकी को बदलने की मांग करके युद्ध अपराध किया है। गौरतलब है कि ये पहली दफा नहीं है जब इमरान खान ने कश्मीर को लेकर भारत सरकार के खिलाफ जहर उगला हो। पिछले साल दिसंबर माह में भी इस्लामाबाद कॉन्क्लेव 2021 में भी पाकिस्तान के वजीरे आजम इमरान खान ने कश्मीर को लेकर विवादित बयान दिया था। इमरान खान ने कहा था कि पूरे दक्षिण एशिया को कश्मीर के मुद्दे ने बंधक बनाकर रखा हुआ है। इमरान खान ने कहा था कि कश्मीर पर पाकिस्तान के शांति प्रयासों को भारत ने नहीं सही तरीके से नहीं समझा और कमजोरी का प्रतीक माना।

भारतीय राजनेताओं को चीन विरोधी बयानों से मिठाई को बुलेट में नहीं बदलना चाहिए : चीन

बीजिंग (ईएमएस)। चीनी सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी के मुखपत्र ने कहा है कि भारतीय राजनेताओं को चीन विरोधी बयानों से नए साल की मिठाई को बुलेट में नहीं बदलना चाहिए। नए साल 2022 की शुरुआत में भारत और चीनी सैनिकों ने सीमा पर एक-दूसरे को मिठाइयां बांटी थीं।लेकिन इनदिनों एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी, जिसमें दावा किया गया था कि नए साल के मौके पर गलवान घाटी में चीन ने अपना झंडा फहराया है।चीनी मीडिया के प्रोपेगैंडा की वजह से एक बार फिर दोनों देशों के बीच विवाद बढ़ गया।भारत के विपक्षी दलों ने भी मुद्दे को लेकर मोदी सरकार को घेराबंदी।

संपादकीय लेख छापा है, सीमा पर चीनी और भारतीय सैनिकों के बीच प्रमुख त्यौहारों पर मिठाइयों के आदान-प्रदान की परंपरा रही है।यह पिछले दो वर्षों से सीमा संघर्ष की वजह से रुका हुआ था। इस साल इस परंपरा को फिर से शुरू किया गया और सोशल मीडिया पर भी लोगों ने इस पंरपरा को काफी सराहा। चीनी नागरिक ने कहा कि गोलियों से बेहतर है कि एक-दूसरे को मिठाई भेज दी जाएं। लेकिन दुर्भाग्य से, भारत में विपक्ष ने मोदी सरकार पर 'चीन के सामने आत्मसमर्पण करने' का आरोप लगाया है।विपक्ष को घटना को उछालने का मौका मिल गया है।रिपोर्ट में लिखा गया है, 'मिठाई बांटने को भी बड़ा मुद्दा बनाया जा सकता है।इससे प्रतीक है, कि चीन-भारत संबंध स्थिर हो रहे हैं, लेकिन समय-समय पर इसमें तल्खी भी आई है।इसका एक कारण ये है कि भारत में कुछ चीन विरोधी लोग हैं। ये लोग चीन-भारत के संबंधों को 1962 के सीमा संघर्ष को मुद्दा बनाकर कमजोर नहीं कर सकते हैं। लेकिन भारत में तेजी से ध्रुवीकरण की प्रवृत्ति बढ़ रही है और ये लोग बस 'विरोध के लिए विरोध करते हैं। हालांकि, इसतरह के लोग मोदी प्रशासन की विदेश नीति को प्रभावित नहीं कर पाए हैं तब वहां बार-बार चीन विरोधी माहौल खड़ा करने की कोशिश करते हैं।भारतीय समाज में एक ऐसा खेमा बनता दिख रहा है जो चीन की प्रशंसा और उसके साथ किसी भी तरह के सहयोग को राजनीतिक रूप से गलत बताता है।

ऐतिहासिक रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए आज समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे आस्ट्रेलिया और जापान

सिडनी (अमेरिका)। ऑस्ट्रेलिया और जापान रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए गुरुवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। ऑस्ट्रेलिया और जापान के इस समझौते को ऐतिहासिक बताया जा रहा है, लेकिन यह समझौता चीन को नाराज कर सकता है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन और जापान के प्रधानमंत्री फुमिओ किशिदा एक डिजिटल सम्मेलन में समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे।

मॉरिसन ने कहा कि यह समझौता 'ऑस्ट्रेलियन डिफेंस फोर्स' और 'जापानीज सेल्फ डिफेंस फोर्सेस' के बीच महत्वपूर्ण और जटिल व्यावहारिक संबंधों को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा ऑस्ट्रेलिया और जापान करीबी मित्र हैं। हमारी विशेष सामरिक साझेदारी पहले से अधिक मजबूत है, यह हमारे साझे मूल्यों, लोकतंत्र एवं मानवाधिकारों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को प्रतिबिम्बित करती है तथा एक स्वतंत्र, खुले और लचीले हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हमारे साझा हितों को दर्शाती है।

ऑस्ट्रेलिया ने अमेरिका और ब्रिटेन के साथ ऑकस त्रिपक्षीय समझौता किया था। इसके तहत अमेरिका और ब्रिटेन ने परमाणु ऊर्जा से संचालित पनडुब्बियों को हासिल करने में ऑस्ट्रेलिया की मदद करने का संकल्प लिया था। इस समझौते ने चीन को नाराज कर दिया था। मॉरिसन ने बुधवार को जारी बयान में जापान के साथ होने वाले समझौते को ऐतिहासिक करार दिया और कहा कि यह समझौता दोनों देशों की सेनाओं के बीच बढ़ते सहयोग के लिए एक स्पष्ट रूपरेखा तैयार करेगा। उन्होंने कहा भारत और जापान के साथ

प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और विशेषज्ञों का विचार मंथन गुजरात को बनाएगा ग्लोबल एजुकेशन हब: मुख्यमंत्री

- अकादमिक संस्थानों के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने किया शुभारंभ

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के माध्यम से दुनियाभर के प्रतिष्ठित शिक्षाविद और विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञों का यह विचार मंथन गुजरात को ग्लोबल एजुकेशन हब बनाएगा। यह बात उन्होंने बुधवार को अहमदाबाद स्थित साइंस सिटी में वाइब्रेंट गुजरात एजुकेशन समिट-2022 के भाग के रूप में आयोजित अकादमिक संस्थानों के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएआई-2022) का शुभारंभ करते हुए कही। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संबंध में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में साढ़े तीन दशक के बाद नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति बनाई गई है। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 'नया भारत' के निर्माण में काफी अहम भूमिका निभाएगी। इतना ही नहीं, यह नीति प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को बल प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि किसी भी देश के सर्वांगीण विकास के लिए एक सुनियोजित शिक्षा नीति अत्यंत आवश्यक है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लागू होने से देश आर्थिक, सामाजिक, बौद्धिक और शैक्षणिक क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन के लिए तैयार हुआ है। देश में मौलिक विचार वाले और प्रतिभाशाली युवाओं के निर्माण के लिए समय के अनुरूप और आवश्यकताओं के मुताबिक व्यापक शिक्षा व्यवस्था होनी चाहिए और उस व्यवस्था को सुलभ कराने का बड़ा कार्य प्रधानमंत्री की अगुवाई में हो रहा है। पटेल ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना वास्तविक रूप ले रही है, तब नई शिक्षा नीति के सुचारू कार्यान्वयन से गुणवत्तायुक्त शिक्षा के लिए देश में अनुकूल माहौल बना है। देश के युवा वर्तमान एवं भविष्य की चुनौतियों का सामना करने को तैयार हो सकें, उसका भी नई नीति में ध्यान रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। ऐसे में, इस जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने के लिए केंद्र सरकार क्षमता निर्माण, कौशल विकास तथा अनुसंधान एवं नवाचार के लिए ऊंचे लक्ष्य हासिल कर रही है। उन्होंने कहा कि गुजरात ने अनुसंधान एवं कौशल विकास को हमेशा प्रधानता दी है। नये जमाने के अनुरूप और वैश्विक चुनौतियों के सामने सक्षमता के साथ सफल हो ऐसे अनुसंधान एवं विकास को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार वित्तीय सहायता भी करती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने ज्ञान शक्ति के महत्व को और व्यापक फलक देने के लिए दुनिया में जो कुछ भी श्रेष्ठ हो, उसे गुजरात की धरती पर उतारने का शिक्षा क्रांति यज्ञ शुरू किया था। उनके मार्गदर्शन में गुजरात ने क्षेत्र विशेष (सेक्टर स्पेसिफिक) एजुकेशन यूनिवर्सिटियों की शुरूआत पिछले दो दशकों से की है। उन्होंने कहा कि आज गुजरात में 91 यूनिवर्सिटियों और 2,860 से अधिक संस्थानों के मार्फत युवाओं को आधुनिक ज्ञान मिल रहा है। पटेल ने कहा कि गुणवत्तायुक्त शिक्षा के माध्यम से उज्ज्वल भावी पीढ़ी के निर्माण के लिए गुजरात में प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में गुणोत्सव के नए विचार को सफलतापूर्वक लागू किया गया है। गुजरात सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के मुख्य पहलुओं के अनुरूप विभिन्न अहम कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात का शिक्षा क्षेत्र ऐसे अनेक मजबूत आधार स्तंभ पर विकसित हो रहा है और इसी आधार स्तंभ पर नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को भी बहुत तेजी से लागू करने के लिए गुजरात प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस नीति के क्रियान्वयन से एक इकोसिस्टम तैयार होगा और आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में यह काफी उपयोगी साबित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की सनातन संस्कृति में सैकड़ों साल पहले गुरुकुल परंपरा का चलन था। वलभी, तक्षशिला और नालंदा जैसे विद्यापीठ शिक्षा के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध थे। दुनियाभर से शिष्य भारत में अध्ययन के लिए आते थे। उन्होंने यह भी कहा कि आईसीएआई-2022 के भाग के रूप में विश्वस्तरीय यूनिवर्सिटी के संबंध में कुलपतियों के सम्मेलन का आयोजन उस बात की पुष्टि करता है कि सदियों से हमारी यूनिवर्सिटियां ज्ञान के प्रसार का मुख्य केंद्र रही हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि हमारी यूनिवर्सिटियों को विश्वस्तरीय बनाने के लिए समय के साथ कदम मिलाने वाली जरूरी पद्धतियां, प्रणालियां, बुनियादी ढांचा और दृष्टिकोण से संबंधित केस स्टडीज को समझने में कुलपतियों का सम्मेलन उपयोगी साबित होगा।

गुजरात के शिक्षा मंत्री जीतूभाई वाघाणी ने इस दो दिवसीय सम्मेलन के पहले दिन स्वागत भाषण में कहा कि शिक्षा के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के जरिए शिक्षा के क्षेत्र में नया इतिहास रचने के लिए गुजरात तैयार है। वाघाणी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरे राष्ट्र में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की गई है। इस नीति के श्रेष्ठ कार्यान्वयन के जरिए राज्य की शिक्षा व्यवस्था को विश्वस्तरीय बनाने के लिए गुजरात सरकार प्रयासरत है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि आज जिस साइंस सिटी में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हो रहा है, वह साइंस सिटी मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का नतीजा है। साइंस सिटी में कार्यरत रोबोटिक और एक्वाटिक गैलरी सहित अन्य विविधतापूर्ण प्रकल्प देश-विदेश के लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। दो दिवसीय शिक्षा सम्मेलन राज्य के बच्चों के संशोधन और ज्ञान का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आदान-प्रदान करने का मंच बनेगा, जो आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को चरितार्थ करेगा। उन्होंने कहा कि गुजरात राज्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन करने में पूरे देश में अग्रणी रहा है। इस सम्मेलन में हॉलिस्टिक एजुकेशन, कौशल विकास, उद्यमिता और डिजिटल एजुकेशन जैसे विभिन्न विषयों का समावेश किया जाएगा जो छात्रों की शिक्षा को और परिपक्व बनाएंगे। शिक्षा मंत्री ने आगे कहा कि राज्य में छात्र स्टार्टअप और नवाचार नीति (एसएसआईपी) 1.0 के सफल परिणामों के बाद मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में शिक्षा विभाग की ओर से एसएसआईपी 2.0 लॉन्च की गई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि एसएसआईपी 2.0 कक्षा छठी से पीएचडी तक के बच्चों और युवाओं के नवाचार संबंधी विचारों और संशोधनों को नई राह दिखाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य के स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था को और भी गुणवत्तायुक्त बनाने तथा ढांचागत सुविधाओं में बढ़ोतरी करने के लिए भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य के शिक्षा विभाग ने विभिन्न प्रयास शुरू किए हैं। कक्षा नौवीं से लेकर बारहवीं तक के विद्यार्थियों के लिए वोकेशनल सेंटर कार्यरत कर उन्हें प्राकृतिक खेती से अवगत कराने की दिशा में काम शुरू किया है। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने देश और दुनिया से आए शिष्टमंडलों और निवेशकों से गांधी आश्रम, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी और साइंस सिटी जैसे विभिन्न प्रमुख स्थलों को देखने का आग्रह किया।

सम्मेलन में शैक्षणिक क्षेत्र के लगभग 30 समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए तथा नई शिक्षा नीति के मार्गदर्शन के रोडमैप और एसएसआईपी 2.0 को लॉन्च किया गया। सम्मेलन में कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, यूनाइटेड किंगडम, नार्वे और फ्रांस जैसे देशों ने बतौर कंट्री पार्टनर शिरकत की। वहीं, ब्रिटिश काउंसिल, टाइम्स हायर एजुकेशन, विश्व बैंक, यूनेस्को, यूनिसेफ, यू.एन वुमन और द ऑर्गेनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक कोऑपरेशन एंड डेवलपमेंट इस सम्मेलन के अंतरराष्ट्रीय पार्टनर हैं। यही नहीं, स्किल इंडिया, राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी), नीति आयोग, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रेडिटेशन (एनबीए), शैक्षिक सलाहकार इंडिया लिमिटेड (ईडीसीआईएल) और आई-केयर नेशनल पार्टनर हैं।

गुजरात में एक्टिव केसों की संख्या 10 हजार के पार, 24 घंटों में 3350 नए केस

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात समेत देशभर में फिर एक बार कोरोना कहर बरपाने लगा है कोरोना के लगातार बढ़ते मामले तीसरी लहर की दस्तक है गुजरात में एक ही दिन में 3350 कोरोना के नए मामले सामने आए हैं जिसमें सबसे अधिक अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 1637 संक्रमित मरीज मिले हैं राज्यभर में आज 236 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया, वहीं एक मरीज की कोरोना से मौत हो गई राज्यभर में आज 15 से 18 वर्षीय किशोरों समेत कुल 5.26 लाख से अधिक नागरिकों का टीकाकरण किया गया स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में सबसे अधिक 1637 लोग कोरोना से संक्रमित हुए हैं वहीं सूरत में 630, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 150, राजकोट कॉर्पोरेशन में 141, आणंद में 114, खेडा में 84, सूरत में 60, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 59, कच्छ में 48, नवसारी में 47, भरुच में 39, भावनगर कॉर्पोरेशन में 38, वलसाड में 34, वडोदरा में 31, गांधीनगर में 26, पंचमहल में 26, मोरबी में 25, अहमदाबाद में 23, जामनगर कॉर्पोरेशन में 19, राजकोट में 18, देवभूमि द्वारका में 17, मेहसाणा में 13, दाहोद में 12, साबरकांठा में 10, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 8, अमरेली में 7, महीसागर में 7, अरवल्ली में 6, सुरेन्द्रनगर में 6, गिर सोमनाथ में 5, बनासकांठा में 4, भावनगर में 2, तापी में 2, बोटाद में 1 और जामनगर में 1 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 3350 नए केस दर्ज हुए हैं वहीं 236 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया जिसमें राजकोट में 66, अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 52, खेडा में 26, सूरत कॉर्पोरेशन में 17, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 14, कच्छ में 10, अहमदाबाद में 10, भरुच में 8, गिर सोमनाथ में 6, नवसारी में 4, वलसाड में 4, वडोदरा में 3, जामनगर कॉर्पोरेशन में 3, साबरकांठा में 3, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 3, जूनागढ़ में 3, पोरबंदर में 1, बनासकांठा में 1,अमरेली में 1 और सूरत में 1 मरीज शामिल हैं अमरेली में कोरोना से 1 मरीज की मौत के साथ राज्य में कोविड से मरनेवालों की संख्या 10126 हो गई हैं वहीं राज्य में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या 10994 पर पहुंच गई हैं जिसमें 10962 स्टेबल हैं और 32 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं दूसरी राज्य में टीकाकरण अभियान के तहत आज 526153 नागरिकों को वैक्सीनेट किया गया जिसमें 21 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 455 को कोरोना का दूसरा टीका लगाया गया 45 वर्ष से अधिक आयु के 9038 को पहला और 33822 लोगों को कोरोना का दूसरा डोज दिया गया 18 से 45 वर्ष आयु समूहर के 112790 लोगों को कोविड की पहली और 89260 दूसरी वैक्सीन लगाई गई इसके अलावा 15 से 18 वर्षीय 280767 किशोरों को कोरोना का पहला डोज दिया गया किशोरों समेत राज्यभर में अब तक 9 करोड़ 18 लाख 34 हजार 983 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका हैं

स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन पॉलिसी का मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री ने किया अनावरण

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शिक्षा मंत्री जीतूभाई वाघाणी और मंत्रिमंडल के सदस्यों की उपस्थिति में बुधवार को अहमदाबाद स्थित साइंस सिटी में आयोजित अकादमिक संस्थानों का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएआई-2022) के उद्घाटन अवसर पर स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन पॉलिसी (एसएसआईपी 2.0) का अनावरण किया। स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन पॉलिसी को राज्य के शिक्षा विभाग ने वर्ष 2017 में पांच वर्ष के लिए क्रियान्वित किया था। इस पॉलिसी की अवधि 10 जनवरी, 2022 को पूरी होने जा रही है, इसलिए अब इस नई स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन पॉलिसी (एसएसआईपी 2.0) को और पांच वर्ष के लिए यानी जनवरी-2022 से मार्च-2027 तक के लिए लागू किया गया है। मुख्यमंत्री की ओर से आज लॉन्च की गई एसएसआईपी 2.0 के मुख्य लक्ष्यों में राज्य की सभी यूनिवर्सिटियों में कार्यात्मक नवाचार (इनोवेशन) और इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना करना शामिल है। इसके अलावा, राज्य के कम से कम 1,000 उच्च शैक्षणिक संस्थानों और 10,000 स्कूलों का समावेश कर 50 लाख विद्यार्थियों को नवाचार और उद्यमिता के लिए जागरूक किया जाएगा। पॉलिसी के अन्य लक्ष्यों में विद्यार्थियों द्वारा विकसित 10 हजार अवधारणा का प्रमाण (प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट-पीओसी/प्रोटोटाइप) को सहायता देना और स्कूली विद्यार्थियों द्वारा विकसित किए जाने वाले 1,000 पीओसी/प्रोटोटाइप को सहायता देना शामिल है। विद्यार्थियों को 5,000 आईपी फाइलिंग के लिए सहायता दी जाएगी। यही नहीं, राज्य में कम से कम 500 शैक्षणिक संस्थाओं और यूनिवर्सिटियों को कवर करते हुए लाभार्थियों के लिए एक मजबूत प्री-इन्क्यूबेशन सपोर्ट सिस्टम का निर्माण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 1,500 विद्यार्थी स्टार्टअप और मौजूदा स्टार्टअप को संपन्न करना, आई-हब पर भौतिक और वर्चुअल सहित 500 स्टार्टअप को इन्क्यूबेट करना तथा आई-हब में स्टार्टअप सृजन सीड सपोर्ट के तहत 500 स्टार्टअप को सहायता करना भी इस पॉलिसी के लक्ष्यों में शामिल है। पॉलिसी के लक्ष्य को हासिल करने के लिए शिक्षा विभाग कई तरह के प्रोत्साहन देगा। इसके अंतर्गत राज्य की यूनिवर्सिटियां इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना करने और नवाचार गतिविधियों में तेजी लाने के लिए आगामी पांच वर्ष में अधिकतम 5 करोड़ रुपए तक का लाभ प्राप्त कर सकती हैं। वहीं, राज्य के संस्थान नवाचार और स्टार्टअप गतिविधियों को समर्थन देने के लिए आगामी पांच वर्ष में 2 करोड़ रुपए तक का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। अन्य प्रोत्साहनों के अंतर्गत इनोवेटर और स्टार्टअप के लिए आईपी फाइलिंग सपोर्ट (स्थानीय के लिए 75 हजार और अन्य देशों में फाइल करने के लिए 1.50 लाख रुपए तक) दिया जाएगा। स्टार्टअप और नवाचार के लिए अधिकतम 10 लाख रुपए तक के स्टार्टअप को सीड ग्रांट दी जाएगी। इसके अलावा, यूनिवर्सिटियों, संस्थानों और इन्क्यूबेटर को जागरूकता कार्यक्रम, बूटकैम्प, सेमिनार और सम्मेलन आदि के आयोजन के लिए वित्तीय मदद दी जाएगी। ओपन इनोवेशन चैलेंज प्रोग्राम के मार्फत इनोवेटर्स, विद्यार्थियों और स्टार्टअप को 2.5 लाख रुपए तक का सपोर्ट दिया जाएगा। स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन पॉलिसी की उपलब्धियों पर यदि नजर डालें तो राज्य की 186 संस्थाओं और यूनिवर्सिटियों का एसएसआईपी की अनुदान ग्राही (ग्रांटी) संस्था के तौर पर समावेश किया गया है। इतना ही नहीं, अब तक विद्यार्थियों की ओर से 2,132 स्टार्टअप शुरू किए गए हैं और 1,122 पेटेन्ट फाइल किए गए हैं। अन्य उपलब्धियों की बात करें तो विद्यार्थियों की ओर से 6,276 प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट प्रोजेक्ट (पीओसी/प्रोटोटाइप) विकसित किए गए है। गत पांच वर्ष में पूरे राज्य में 10 लाख से अधिक विद्यार्थियों को नवाचार प्रक्रिया और स्टार्टअप के बारे में मूलभूत जागरूकता को लेकर जानकारी दी गई है। इसके अलावा, राज्यभर में एसएसआईपी के तहत 5,593 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन पॉलिसी पूरे देश में एकमात्र ऐसी नीति है जिसका मकसद बड़े पैमाने पर विद्यार्थी इनोवेटर्स और स्टार्टअप का पोषण और समर्थन करना है। देशभर में स्टार्टअप के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों की रैंकिंग में गुजरात पिछले दो वर्ष से नंबर एक पर रहा है। इस रैंकिंग में भारत सरकार ने शिक्षा विभाग के एसएसआईपी द्वारा किए गए प्रयासों एवं योगदान को विशेष रूप से स्वीकार कर उसकी सराहना की है।

ऊर्जा विभाग भर्ती मामले में अरवल्ली भाजपा नेता ने कहा-मुझे बदनाम करने की साजिश

अहमदाबाद (ईएमएस) ऊर्जा विभाग की भर्ती कांड को लेकर अरवल्ली भाजपा के महासचिव अवधेश पटेल ने कहा है कि उन्हें राजनीतिक रूप से बदनाम करने की साजिश की जा रही हैं आरोप लगाने वाल साबित करके दिखाए उन्होंने किस विद्यार्थी से भर्ती के लिए रुपए लिए हैं बता दें कि विद्यार्थी युवराजसिंह जाडेजा ने बीते दिन आरोप लगाया था कि रुपए लेकर राज्य के ऊर्जा विभाग में कई लोगों की भर्ती की गई हैं जिसमें अरवल्ली भाजपा के महासचिव अवधेश पटेल की मुख्य भूमिका हैं आरोप लगने के बाद सामने आए भाजपा नेता ने पत्रकार परिषद में स्पष्ट किया कि ऊर्जा विभाग की भर्ती में उनकी कोई भूमिका नहीं हैं युवराजसिंह ने मुझे शिक्षक बताया है, जबकि मैं पशुपालन और खेती से जुड़ा हूँ न ही मैं कोई क्लासिस चलाता हूं और न ही शिक्षक हूँ मुझे संदेह है कि स्थानीय पंचायत चुनाव खत्म होने के बाद यह एक साजिश लग रही हैं मुझे जानकारी मिली है कि युवराजसिंह धनसुरा आथे, जहां कोई साजिश रची गई हो सकती हैं अवधेश पटेल ने कहा कि वह युवराजसिंह जाडेजा के खिलाफ मानहानि का दावा करेंगे मुझे संदेह है परंतु फिलहाल मैं कोई बातें सार्वजनिक नहीं करना चाहता पूरी घटना मुझे राजनीतिक बदनाम करने के स्टंट से ज्यादा कुछ नहीं हैं उन्होंने कहा कि मानसिक रूप से परेशान था, जिसकी वजह से फोन स्वीच ऑफ कर दिया था यदि मेरा ऊर्जा विभाग की भर्ती में कोई भूमिका होती तो मैं कानूनी कार्यवाही में सहयोग नहीं करता युवराजसिंह साबित करके दिखाएं कि मैंने किस उम्मीदवार से भर्ती के लिए रुपए लिए हैं एक सवाल के जवाब में अवधेश पटेल ने बताया कि घटना के बारे में कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई, जिसकी वजह से पुलिस से कोई संपर्क नहीं किया लेकिन अब अपने वकील से सलाह लेकर आगे की कार्यवाही करूंगा गौरतलब है विद्यार्थी नेता अवधेश पटेल ने आरोप लगाया था कि ऊर्जा विभाग की भर्ती घोटाले में धनसुरा के अवधेश पटेल, वडोदरा की एनएसई आईटी कंपनी के श्रीकांत शर्मा, टयूशन क्लास संचालक अजय पटेल, अरविंद पटेल, जीयूवीएनएल के वरिष्ठ अधिकारी प्रजापति, हर्ष नाई, प्रांतिज सेंटर में परीक्षा दे रहे मित पटेल शामिल हैं युवराजसिंह ने उन युवकों के नाम भी बताए जिन्होंने रुपए देकर ऊर्जा विभाग में नौकरी प्राप्त की जिसमें हितेश पटेल, कुशांग पटेल, धवल पटेल, प्रियंक पटेल, आंचल पटेल, राहुल पटेल, प्रदीप पटेल, बाबू पटेल, जिगीशा पटेल, ध्रुव पटेल और रजनीश पटेल इत्यादि शामिल हैं

24 घंटों में गुजरात में ओमिक्रॉन के 50 नए मरीज, सबसे अधिक 34 केस अहमदाबाद में

अहमदाबाद (ईएमएस) कोरोना के साथ ही इसका नया वेरिएन्ट ओमिक्रॉन के मामले गुजरात में तेजी से बढ़ रहे हैं पिछले 24 घंटों में राज्यभर में ओमिक्रॉन के कुल 50 नए मरीज सामने आए हैं जिसमें सबसे अधिक अहमदाबाद में ओमिक्रॉन के 34 मरीज दर्ज हुए हैं वहीं वडोदरा में 5, खेडा में 4, आणंद में 3, सूरत में 4 और कच्छ में ओमिक्रॉन का 1 केस दर्ज हुआ हैं जबकि अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 14, खेडा में 1 और भरुच में ओमिक्रॉन संक्रमित 1 समेत राज्य में 16 मरीजों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया गुजरात में ओमिक्रॉन के कुल 204 केस दर्ज हो चुके हैं जिसमें सबसे अधिक अहमदाबाद में 93, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 30, सूरत कॉर्पोरेशन में 20, आणंद में 18, खेडा में 12, राजकोट में 6, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 5, जामनगर कॉर्पोरेशन में 4, मेहसाणा में 4, कच्छ में 4, भरुच में 2, वडोदरा में 1, पोरबंदर में 1, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 1, बनासकांठा में 1, जामनगर में 1 और अमरेली में 1 समेत राज्यभर के 204 केस शामिल हैं इनमें से 112 मरीज ठीक होकर अपने घर लौट गए हैं जबकि ओमिक्रॉन संक्रमित 92 मरीज उपचाराधीन हैं

राज्य में ट्रेकिंग, टेस्टिंग और वैक्सीनेशन का दायरा बढ़ाया जाएगा : मुख्य सचिव

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात के मुख्य सचिव पंकजकुमार ने आज कहा कि राज्य में प्रवर्तमान कोविड-19 की मौजूदा स्थिति को देखते हुए ट्रेकिंग, टेस्टिंग और वैक्सीनेशन का दायरा बढ़ाया जाएगा राज्य की महानगर पालिका के आयुक्तों और जिला कलेक्टरों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए स्थिति की समीक्षा के बाद पंकजकुमार ने बताया कि बैठक में संभावित क्षेत्रों में कोरोना मामलों को खोजने के लिए स्वास्थ्य टीमों को प्रोएक्टिव भूमिका निभाते हुए प्रिवेन्टिव कार्य करने का मार्गदर्शन दिया गया हैं कोविड प्रोटोकोल के कड़ाई से पालन, माइक्रो कंटेंटमेंट जोन, ओपीडी मामलों का प्रति दिन मोनिटरींग कर बुखार, खांसी के मामलों में निजी अस्पताल और आईएमए के साथ संकलन कर कोरोना नियंत्रण के लिए खास एक्शन प्लान तैयार करने का आदेश दिया गया हैं मुख्य सचिव ने धन्वंतरी रथ और संजीवनी रथ का नियमित मोनिटरींग कर कोरोना मामलों का ध्यान रखने के साथ ही अस्पतालों में जिलों द्वारा की गई तैयारियों की समीक्षा करने का निर्देश दिया गया हैं पंकजकुमार ने पिछले एक सप्ताह से राज्य में जिस प्रकार कोरोना मामले सामने आ रहे हैं उसका नियमित मोनिटरींग कर आगामी दिनों में केस बढ़ने पर जीरो केज्युलिटी के लिए कैसी तैयारियां की जाए और कैसा आयोजन करना इस बारे में आवश्यक मार्गदर्शन मनपा आयुक्तों और जिला कलेक्टरों को दिया गया हैं

टीकाकरण शुरू होने पर कक्षा-९ से १२ की यूनिट टेस्ट स्थगित

अहमदाबाद, ५ जनवरी।

कक्षा ९ से १२ के विद्यार्थियों के लिए दूसरी यूनिट टेस्ट यह सप्ताह के अंत में निर्धारित थी। लेकिन हाल में १५ से १८ वर्ष की उम्र समूह के स्कूल के बच्चों के लिए चल रही कोविड-१९ की टीकाकरण अभियान की वजह से इसे स्थगित रखी गई है। यूनिट टेस्ट का पहला चरण २९ दिसंबर और ३० दिसंबर को आयोजित किया गया था। आगामी चरण जो ७ जनवरी और ८ जनवरी को निर्धारित होना था इसे स्कूल के बच्चों के लिए चल रही टीकाकरण के अभियान की वजह से स्थगित रखी गई है, यह सूत्रों ने बताया। ऐसे समय में जब राज्य की स्कूलों ने विद्यार्थियों के टीकाकरण के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी है, तब राज्य की डिप्लोमा और आईटीआई कॉलेजों में यह प्रक्रिया को लेकर असमंजस स्थिति रही है। अभी तक में यह उम्र समूह में आते डिप्लोमा और आईटीआई कॉलेज के विद्यार्थियों को वैक्सीन देने के मामले में कोई स्पष्टता नहीं की गई है, यह सूत्रों ने बताया। राज्य की डिप्लोमा इंजीनियरिंग कॉलेजों में करीब १ लाख विद्यार्थी है, जिसमें से ५० हजार विद्यार्थी गुजरात टेकनोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के साथ जुड़ी हुई कॉलेजों के हैं। गुजरात सहित देशभर में कोरोना वायरस के केस तेजी से बढ़ रहे हैं और तीसरी लहर की गर्जना सुनाई दे रही है तब टीकाकरण की प्रक्रिया जल्दी से बनाई गई है। ३ जनवरी, सोमवार से बच्चों को वैक्सीन देने का काम शुरू किया गया है। पहले दिन देशभर में ४० लाख से ज्यादा बच्चों ने वैक्सीन ली थी। गुजरात में कोविड-१९ के केस की बात करे तो मंगलवार को २२२६५ केस दर्ज किए गए थे। जिसमें अहमदाबाद में सबसे ज्यादा १२९० थे। सूरत में ४१५, वडोदरा में ८६, राजकोट में ३६ केस जबकि गांधीनगर में २३ केस दर्ज किए गए थे। कोरोना वायरस के केस बढ़ने पर सरकार तथा डॉक्टर भी लोगों को पर्याप्त सावधानी रखने के लिए मास्क पहनने और सामाजिक दूरी का पालन करने की सूचना दे रहे हैं।

अहमदाबाद में आईसीएआई-2022 की दो दिवसीय प्रदर्शनी का मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ

- वाइब्रेंट गुजरात एजुकेशन समिट-2022 के तहत अकादमिक संस्थानों का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बुधवार को अहमदाबाद स्थित साइंस सिटी में अकादमिक संस्थानों के दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएआई) के अंतर्गत आयोजित राज्य के उच्च शिक्षा के अग्रणी संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट-2022 के हिस्से के रूप में इसका आयोजन किया गया था। इस अवसर पर गुजरात के शिक्षा मंत्री जीतूभाई वाघाणी, मंत्री डॉ. कुबेरभाई डिंडोर, किरीटसिंह वाघेला, ब्रिजेश कुमार मेरजा, पूर्व गृह राज्य मंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा, मुख्य सचिव पंकज कुमार, शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव एस.जे. हैदर सहित अन्य उच्च अधिकारी मौजूद थे। इस प्रदर्शनी में गुजरात यूनिवर्सिटी, बाबासाहेब अंबेडरकर यूनिवर्सिटी, हेमचंद्राचार्य यूनिवर्सिटी, चरोतर यूनिवर्सिटी, एम.एस. यूनिवर्सिटी, निरमा यूनिवर्सिटी, नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर, राष्ट्रीय रक्षा शक्ति यूनिवर्सिटी, चिल्ड्रन यूनिवर्सिटी, सेप्ट, जीटीयू, मारवाड़ी यूनिवर्सिटी, गुजरात बायोटेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी, गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, पीआरएल तथा सोमनाथ संस्कृत यूनिवर्सिटी सहित 54 यूनिवर्सिटी और संस्थानों के स्टॉल लगाए गए हैं। उच्च शिक्षा के ग्रंथ एवं प्रत्रिकाओं का प्रकाशन करने वाली संस्था गुजरात यूनिवर्सिटी ग्रंथ निर्माण बोर्ड तथा एनसीईआरटी के अलावा गुजरात मेरीटाइम यूनिवर्सिटी, अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (सैक)-इसरो, आई-हब के भी स्टॉल यहां लगाए गए हैं। इस प्रदर्शनी में विभिन्न संस्थानों और यूनिवर्सिटियों की ओर से प्रदर्शित किए गए शैक्षणिक कार्यों और गतिविधियों तथा उनके आगामी आयोजन आगंतुकों सहित विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित होंगे।

अहमदाबाद शहर में कोरोना फैल गया

अहमदाबाद शहर में माइक्रो कंटेन्मेंट जोन की संख्या बढ़ी

अहमदाबाद, ५ जनवरी।

कोरोना वायरस फैलने से अहमदाबाद शहर में माइक्रो कंटेन्मेंट जोन की संख्या में चिंताजनक वृद्धि हुई है।

म्युनिसिपल हेल्थ ऑफिसर डॉ. भाविन सोलंकी के बताये अनुसार प्रत्येक जोन में कोरोना के मरीज की जानकारी की रिपोर्ट तैयार होती है और बाद में जिस सोसाइटी में कोरोना पॉजिटिव केस ज्यादा हो और जहां संक्रमण फैलने की संभावना ज्यादा हो ऐसी सोसाइटी को माइक्रो कंटेन्मेंट जोन जारी किया जाता है। जिसके अनुसार मंगलवार को उत्तर, पश्चिम, दक्षिण पश्चिम, पश्चिम, मध्य, उत्तर, पूर्व और दक्षिण जोन में कुल २१ सोसाइटी माइक्रो कंटेन्मेंट जोन के तहत जारी किया गया है। इसके साथ शहर में कुल माइक्रो कंटेन्मेंट जोन की संख्या ८६ पर पहुंच गई है। नई २१ जगहों पर आज से हेल्थ विभाग की टीमें घर-घर जाकर नागरिकों के स्वास्थ्य की जांच करेगी तथा स्क्रीनिंग की जाएगी। जिसे भी बुखार, खांसी होगी उनके कोरोना टेस्ट किया जाएगा।

म्युनिसिपल हेल्थ विभाग के सूत्रों ने कबूल किया है कि, शहर में कोरोना संक्रमण और पॉजिटिव केस का प्रमाण अत्यंत ज्यादा और चौंकाने वाला हो सकता है। लेकिन ऊपर से मिली सूचना की वजह से नागरिकों में भय नहीं फैले इसके लिए पॉजिटिव केस और माइक्रो कंटेन्मेंट जोन की संख्या एक साथ जारी नहीं किया जाता है। डॉ. सोलंकी के बताये अनुसार शहर में कोरोना संक्रमण का फैलना चिंताजनक है।

मंगलवार को १२९० पॉजिटिव केस दर्ज किए गए हैं, लेकिन इसमें से अधिकतर अस्पताल में भर्ती करना जैसे गंभीर लक्षण देखने को नहीं मिलते है। यदि उनको घर पर रहने की सूचना के साथ घर पर उपचार देने की व्यवस्था की जाती है। कोरोना मरीज की उपचार के लिए विभिन्न क्षेत्रों में ४३ निजी अस्पताल डेजिग्नेट किया गया है। इसमें भी हाल ४८ ही मरीज उपचार के तहत है, जिसमें ३० जनरल वार्